हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, गुरुवार 23 जुलाई 2026

तापमान

अधिकतम 26.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

13 गभरा का आंवला बगीचा बना मुरूम भंडारण ...

14 दिल्ली में छात्र-छात्राओं पर लाठी चार्ज, बरसते ...

आषाढ़ महीने में सावन जैसी झड़ी, दो दिन से ऐसी बारिश कि लोग घरों में दुबके

जिले में अब तक 396.5 मि.मी. औसत वर्षा, मानसून द्रोणिका सक्रिया इसलिए बारिश अभी होती रहेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

आषाढ़ का महीना चल रहा है और सावन जैसी झड़ी लोगों को देखने मिल रहा है। दो दिनों से ऐसा ही नजारा ट्विनसिटी का है। रूक-रूक कर कभी बारिश अचानक तेज हो जाती है और उसके बाद हल्की-हल्की बारिश। इसकी वजह पारा काफी नीचे चला गया है। अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तक आ गया है। जो सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस कम है। इसलिए लोगों को ठंड भी लगने लगी है। इस मौसम ने जनजीवन पर भी असर डालना शुरू कर दिया है। लोगों की आवाजाही सड़कों पर कम नजर आने लगी है। लोग अपने घरों में ही दुबके हुए है।

मानसून द्रोणिका सक्रिय इसलिए हर दिन बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक चूंकि मानसून द्रोणिका का विस्तार 3.1 किलोमीटर तक होने के कारण प्रदेश में अभी वर्षा की गतिविधि में लगातार जारी रहने की संभावना है। यह सक्रीय मानसून का संकेत है। 23 जुलाई को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने तथा भारी वर्षा होने की संभावना है।

जिले में अब तक 396.5 मिमी बारिश

पिछले दो दिनों से हो रही बारिश से जिले में 1 जून 2026 से 22 जुलाई तक 396.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 जुलाई को तहसील दुर्ग में 50.5 मिमी, तहसील धमधा में 14.8 मिमी, तहसील पाटन में 63.0 मिमी, तहसील बोरी में 22.5 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 54.7 मिमी और तहसील अहिवारा में 27.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। यानी जिले में इस तिथि को 232.5 मिमी बारिश हुई है।

सबसे ज्यादा बारिश बोरी तहसील में

इस मानसूनी सीजन में यानी 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 501.6 मिमी तहसील बोरी में हुई है। इसी तरह सबसे कम बारिश 264.1 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 447.6 मिमी, तहसील पाटन में 468.5 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 376.8 मिमी और तहसील अहिवारा में 320.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

इस तरह चल रहा है सिस्टम

मौसम विभाग के मुताबिक मानसून द्रोणिका बीकानेर, बनस्थली विद्यापीठ, गुना, दमोह, पेंड्रा रोड, मिदनापुर और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है तथा यह 3.1 किमी ऊंचाई तक विस्तारित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर मध्य प्रदेश के मध्य भाग में 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक पूर्व पश्चिम शियर जोन 22 डिग्री उत्तर में 5.8 किलोमीटर से 7.6 किमी ऊंचाई तक विस्तारित है।

खबर संक्षेप

बार संचालक और उसके साथियों ने की मारपीट

भिलाई। शराब पीने गए युवक के साथ बार संचालक और उसके साथियों ने जमकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी है। घटना छावनी थाना क्षेत्र की है। शिकायत पर पुलिस ने संचालक समेत अन्य लोगों के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सुमीत कटोरे ट्रांसपोर्ट नगर भिलाई के आहाता में काम करता है। 21 जुलाई की रात अपने दोस्त केतन कुमार वर्मा के साथ शराब पीने इंपीरियर बार नंदिनी रोड गया था। जहां बीयर पीते समय गिलास गिर कर फुट गया था। इसी बात को लेकर इंपीयरियर बार संचालक से वाद विवाद हुआ था। लेकिन नुकसान का भुगतान भी कर दिया गया था। बावूजद रात 11.30 बजे पीड़ित और दोस्त केतन कुमार वर्मा इंपीरियर बार से बाहर निकल रहे थे। तभी बार संचालक अपने साथियों के साथ गिलास फुटने की बात को लेकर केतन को गाली गलौज कर रहा था। उसे गाली देने पर विरोध जताया गया तो पीड़ित और केतन के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

तालाब के पास कचरा फेंकने वालों पर कार्रवाई

भिलाई। नगर निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने तालाबों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने को लेकर बड़ा कदम उठाया है। वो शिकायत पर जोन-3 अंतर्गत वार्ड 32 दुर्गापारा स्थित तालाब का निरीक्षण करने पहुंची और जब वहां गंदगी देखा तो अधिकारियों को तालाब के पास कचरा फेंकने वालों पर चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

प्रवेश के लिए 48533 सीटों के लिए आए थे सीटों से ज्यादा आवेदन

कॉलेजों में पहले चरण में बीए, बीकाम व बीएससी में केवल 2836 दाखिले, 44701 सीटें हैं खाली

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

खास खबर

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय (दुर्ग यूनिवर्सिटी) के शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बीए, बीएससी और बीकॉम प्रथम वर्ष में यूनिवर्सिटी ने 47539 सीटों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन विद्यार्थियों से मंगवाए थे। कॉलेजों में मिले आवेदनों के हिसाब से मेरिट सूची जारी कर दी है और प्रवेश प्रक्रिया भी पहले चरण की पूरी हो गई।

हालात बेहद चिंताजनक हैं। बीए, बीएससी और बीकाम प्रथम वर्ष में 44701सीटें खाली है। इन संकायों में महज 2836 विद्यार्थियों ने ही प्रवेश लिया है। वहीं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में भी अभी दाखिले शून्य हैं। हालात को देखते हुए यूनिवर्सिटी ने दूसरे चरण में प्रवेश प्रक्रिया शुरू करवा दी है। हैरत की बात यह है कि इस बार प्रवेश के लिए सीटों से कई गुणा ज्यादा आवेदन किए गए हैं।

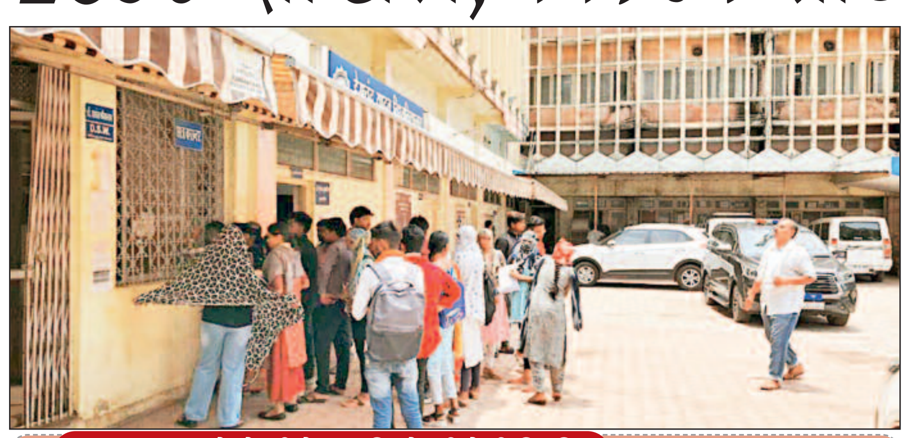

प्रमुख संकायों में सीटों व दाखिले की ऐसी स्थिति

बीए संकाय

बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) पाठ्यक्रम में 16,920 सीटों के लिए 25,233 आवेदन प्राप्त हुए। प्रथम चरण में अब तक 1,360 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इस तरह पाठ्यक्रम में 15558 सीटें अभी खाली है।

बीएससी संकाय

बैचलर ऑफ साइंस (बीएससी) में 18,110 सीटों के मुकाबले 19,104 आवेदन प्राप्त हुए हैं तथा 787 विद्यार्थियों का प्रवेश हुआ है। इस पाठ्यक्रम में 17323 सीटें खाली रह गई है। इसलिए दूसरी मेरिट सूची जारी की जानी है।

बीकॉम संकाय

बैचलर ऑफ कॉमर्स (बीकॉम) में 12,509 सीटों के लिए 11,330 आवेदन आए हैं और अब तक 689 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इस तरह बीकॉम पाठ्यक्रम में 11820 सीटें खाली रह गई है। जिसे भरने के लिए फिर से आवेदन होंगे।

डीसीए पाठ्यक्रम

डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (डीसीए) में 1,445 सीटों के लिए 375 आवेदन आए हैं, जिनमें से 28 विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया है। इस तरह इस पाठ्यक्रम में 1417 सीटें खाली है। इन सीटों को भरने के लिए आवेदन मंगवाए हैं।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए ज्यादा आवेदन : एमएससी बॉटनी में 680 सीटों के लिए 718 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे यह पीजी स्तर का सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी विषय बन गया है। एमएससी जूलॉजी में 420 सीटों के मुकाबले 562 आवेदन तथा एमएससी केमिस्ट्री में 880 सीटों के लिए 465 आवेदन प्राप्त हुए हैं। एमए राजनीतिक विज्ञान में 1,205 सीटों के लिए 438 आवेदन, एमकॉम में 1,460 सीटों के लिए 387 आवेदन तथा एमए समाजशास्त्र में 965 सीटों के लिए 369 आवेदन प्राप्त हुए हैं।एलएलबी पाठ्यक्रम में 440 सीटों के लिए 371 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

पाठ्यक्रमवार आवेदन, सीटें एवं प्रवेश स्थिति

पाठ्यक्रम	आवेदन	कुल सीटें	प्रवेश
बी.ए.	25,233	16,920	1,360
बीबीए	629	960	124
बी.कॉम	11,330	12,509	689
बीसीए	1,435	1,450	81
बी.एससी.	19,104	18,110	787
बी.एससी. (गृह विज्ञान)	119	270	14

अन्य विषयों की भी सीटें रह गई हैं खाली

बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) में 1,450 सीटों के लिए 1,435 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि 81 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) में 960 सीटों के लिए 629 आवेदन आए हैं और 124 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया है।शारीरिक शिक्षा और पुस्तकालय विज्ञान जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की स्थिति ऐसी है कि पहले चरण में कोई भी प्रवेश नहीं लिया है। बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन में 200 सीटों के लिए 72 आवेदन तथा बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस में 230 सीटों के लिए 28 आवेदन प्राप्त हुए हैं। लेकिन दाखिले शून्य हैं।

एमएससी , एमसीसी आईटी में प्रवेश नहीं

दूसरी ओर कुछ विषय ऐसे हैं जिनमें आवेदन संख्या बेहद कम रही है। एमएससी इलेक्ट्रॉनिक्स में 40 सीटों के लिए मात्र 1 आवेदन आया है। एमएससी आईटी में 50 सीटों के लिए 4 आवेदन, एमए होम साइंस में 20 सीटों के लिए 7 आवेदन तथा एमए साइकोलॉजी में 60 सीटों के लिए केवल 6 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस में अभी तक कोई आवेदन दर्ज नहीं हुआ है, जबकि 35 सीटें उपलब्ध हैं। इन विषयों में भी अभी प्रवेश की स्थिति जीरो हैं।

मोहन नगर पुलिस थाना क्षेत्र का मामला

क्रिकेटर ने किया 17.52 लाख रुपए की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

- न्यायालय के आदेश पर हुई कार्रवाई
- पार्टनर बनाने ठेकेदार को फंसाया

पूर्व अंतराष्ट्रीय क्रिकेटर पर 17.52 लाख रुपए का ठगी का आरोप लगने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक जिंदल इस्पात लिमिटेड में ट्रांसपोर्ट का काम दिलाने का झांसा देकर ठेकेदार से राजेश चौहान ने ठगी किया। पीड़ित दिनकर विश्वमित्र के मुताबिक क्रिकेटर राजेश चौहान ने उद्योगपति नवीन जिंदल का करीबी होने का झांसा देकर भरोसा दिलाया था।

जिंदल इस्पात का कथित वर्क ऑर्डर भी दिखाया और ट्रांसपोर्ट के काम में पार्टनर बनाने की बात कही थी लेकिन बाद में पता चला कि पूरा दस्तावेज फर्जी था। घटना को लेकर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन पुलिस का रवैया ठीक नहीं होने के कारण वह न्यायालय पहुंचा जहां परिवाद दायर किया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) न्यायालय ने मोहन नगर पुलिस को राजेश चौहान के खइलाफ अपराध दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया। वर्तमान में राजेश चौहान बिजनेसमैन और क्रिकेट एकेडमी के संचालक हैं। पीड़ित दिनकर ने कोर्ट को बताया कि राजेश चौहान की मुलाकात दोस्त सरोज कुमार के जरिए हुई थी।

बातचीत के दौरान राजेश ने कहा कि उसकी गोविंद ट्रांसपोर्ट कंपनी को ओडिशा के क्योंझर स्थित जिंदल इस्पात लिमिटेड में आयरन और अन्य सामग्री के ट्रांसपोर्ट का बड़ा ठेका मिला है। अगर वह ट्रक लगाकर इस काम में पार्टनर बनता है, तो उसे अच्छा लाभ मिलेगा। भरोसा बढ़ाने के लिए राजेश ने जिंदल इस्पात का कथित वर्क ऑर्डर और दूसरे दस्तावेज भी दिखाए। इन्हें देखकर पीड़ित ने साझेदारी के लिए हामी भर दी थी ।

स्मृतिनगर थाना का मामला

शटर तोड़कर नगदी किया पार पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दुकान का शटर तोड़कर नगदी पार करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। स्मृति नगर पुलिस ने बताया कि शांति नगर भिलाई निवासी सुमंत कुमार मिश्रा का कुरूद रोड, कोहका स्थित पी. मिश्रा एण्ड इलेक्ट्रॉनक्सि का दुकान है। 18 जुलाई की रात पीड़ित दुकान को बंद कर अपने घर निकल गया। सुबह दुकान खोलने पहुंचा तो शटर का ताला टूटा पड़ा मिला।

दुकान से नगद 60 हजार समेत अन्य सामान गायब मिला। आसपास खोजबीन करने के बाद सामान नहीं मिलने पर पुलिस में शिकायत किया गया। जांच करने पर पुलिस को जानकारी मिली कि बैरिया, जिला बलिया यूपी जो हाल में रामनगर निवासी शक्ति सिंह नामक युवक को पकड़ा। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि दुकान का ताला तोड़कर नगदी समेत अन्य सामान पार किया। आरोपी के पास से पुलिस ने 8,950 रुपये बरामद किया।

आज पेयजल सप्लाई प्रभावित

भिलाई। शिवनाथ नदी स्थित इंटेक वेल में नदी से अत्यधिक मात्रा में जलकुंभी एवं कचरा आने के कारण बुधवार को सायफन बार-बार चोक होता रहा। गुरुवार को दुर्ग, भिलाई और रिसाली निगम क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति रहेगी। सायफन चोक होने के कारण 77 एमएलडी एवं 66 एमएलडी जलशोधन संयंत्र का संचालन कई बार बाधित हुआ। जिसकी वजह से भिलाई के कई वार्डों में द्वितीय पाली का जलप्रदाय प्रभावित रहा। 23 जुलाई को सुबह 6:56 बजे से 7:57 बजे तक, 8:17 बजे से 09:15 बजे तक, 9:28 बजे से 11:05 बजे तक, दोपहर 2:02 बजे से 2:55 बजे तक, दोपहर 3:52 बजे से 4:45 बजे तक और शाम 6:30 बजे से पुनः सायफन चोक होने की स्थिति निर्मित हुई। निगम ने बताया कि नदी में अत्यधिक जलकुंभी एवं कचरा होने के कारण गोताखोरों को भी इन्हें हटाने में कठिनाई हो रही है तथा कार्य में अपेक्षाकृत अधिक समय लग रहा है। इसलिए 23 जुलाई को जलप्रदाय प्रभावित रहने की संभावना है।

प्रधान पाठिका पर विद्यार्थियों से मारपीट का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

डीईओ कार्यालय पहुंचे छात्र और पालक

ग्राम पतोरा स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला की प्रधान पाठिका ममता शांडिल्य के खिलाफ ग्रामीणों, पालकों, जनप्रतिनिधियों और स्कूली बच्चों ने विरोध प्रदर्शन किया। इसे लेकर सभी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचे और उन्हें निलंबित या बर्खास्त करने की मांग की।

मिली जानकारी के मुताबिक 18 जुलाई को एक छात्र को कथित तौर पर कांटेदार डंडे से पीटा गया। जिससे उसके हाथ में चोट आई। ग्रामीणों का कहा था कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई छात्र-छात्राओं के साथ मारपीट और अपमानजनक व्यवहार किया जा चुका है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधान पाठिका के खिलाफ पहली लिखित शिकायत मार्च 2026 में शिक्षा मंत्री, जिला शिक्षा अधिकारी और विकासखंड शिक्षाअधिकारी को दी गई थी। जांच शुरू हुई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। छात्र ने ने बताया कि लंच के समय वह स्कूल के पीछे बैठा था। तभी प्रधान पाठिका ने बुलाकर कांटेदार डंडे से पीटा। पूछने पर सिर्फ इतना कहा कि स्कूल के पीछे क्यों गए थे।

छात्र का आरोप है कि प्रधान पाठिका अक्सर कहती हैं, पढ़ना है तो पढ़ो, नहीं तो टीसी लेकर चले जाओ। दुर्ग जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने कहा कि शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई गई है। टीम को स्कूल भेज दिया गया है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर प्रधान पाठिका के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

विवेचकों का भी ई-साइन एफआईआर प्रक्रिया संचालित

प्रदेश का पहला जिला बना दुर्ग, एफआईआर हुई डिजिटल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

खास बातें

- पुलिस मुख्यालय ने ई पेन से थाना भिलाई नगर में पीड़ित का प्रथम ई-साइन भी हुआ
- पारदर्शी, सुरक्षित तकनीकी

जिले की पुलिस अब थानों का सारा काम डिजीटल प्रक्रिया के तहत करना शुरु कर दिया है। इसमें थानों का एफआईआर से लेकर सारा काम थानों में अब डिजीटल हो गया है। दुर्ग जिला अब प्रदेश में डिजीटल काम करने वाला पहला जिला बन गया है। थाना भिलाई में में पुलिस मुख्यालय द्वारा ई पेन से पीड़ित का डिजिटल हस्ताक्षर भी किया गया है। वर्तमान में दुर्ग जिले के सभी विवेचक शत-प्रतिशत ई-साइन के माध्यम से एफआईआर की प्रक्रिया को पूरा कर रहें है। थाना भिलाई नगर में ई-साइन भी बेहतर ढंग से संपन्न कराया जा चुका है। जिले में सारे थानों का काम पूर्णतः डिजिटल प्रक्रिया के तहत किया जा रहा है। यह व्यवस्था एफआईआर पंजीयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित, समयबद्ध, पेपरलेस बनाने के साथ-साथ डिजिटल अभिलेखों के प्रभावी संधारण में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। आधुनिक तकनीक-आधारित, गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बेहतर काम दुर्ग पुलिस ने किया है। दुर्ग पुलिस आधुनिक तकनीक के माध्यम से पारदर्शी, प्रभावी नागरिक-केंद्रित पुलिस सेवाएं भी इसमें उपलब्ध कराने के लिए निरंतर नवाचार डिजिटल प्रणालियों में काम किया जा रहा है।

अन्य जिले में नहीं है ऐसी व्यवस्था

दुर्ग पुलिस ने अपने सारे काम अब डिजीटल प्रक्रिया के तहत पूरा किया जा रहा है। लेकिन छत्तीसगढ़ के कई जिले में पुलिस विभाग डिजीटल काम करने में काफी पिछड़ी हुई है। लेकिन दुर्ग पुलिस ने शुरु से ही ऑनलाइन रिपोर्ट से लेकर ई साइन, डिजीटल में काम शुरु कर प्रदेश का पहला जिला बना दिया है। यहां डिजीटल के काम को लेकर काफी पहले ही पुलिस ने विवेचकों और जवानों को ट्रेनिंग के लिए कार्यशाला भी लगाया गया था।जिससे डिजिटल प्रक्रिया को समझाने में जवानों को आसान हो सके।

ताला तोड़कर चोरी करने वालों को पुलिस ने पकड़ा

भिलाई। दुकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सांई नगर बघेरा, दुर्ग निवासी भगवती प्रसाद ठाकुर को ठाकुर मोबाइल स्टोर्स का संचालन करते है। उन्हें चोरी की शि का य त कोतवाली दुर्ग में लिखित किया था। इस दौरान पुलिस चोरी को लेकर जांच में जुटी रही। मुखबिर की सूचना पर साक्ष्यों के आधार पर बीड़ी कॉलोनी, काली मंदिर के पास, उरला, थाना मोहन नगर निवासी तुषार भोंडेकर को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर अपने नाबालिग साथियों के साथ दुकान का ताला तोड़कर चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों के पास से पुलिस ने 13 मोबाइल, 2 चार्जर, 1 स्पीकर जब्त किया है।

SHRADDHA MONTESSORI
ADMISSION OPEN
2026-27
ENGLISH MEDIUM
HIGHER SECONDARY
SCHOOL
राधा चतुर्वेदी प्राचार्या
ZONE-2, SEC.-11, KHURSIPAR, BHILAI, DURG (C.G.)
Contact : 9826477352

उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत सही शिक्षा से, अभी लें प्रवेश

नया शैक्षणिक सत्र 2026-27 शुरू हो चुका है और स्कूलों व कोचिंग संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया भी तेज़ हो गई है। बदलते शिक्षा परिवेश में केवल किताबों का ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, आधुनिक तकनीक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन भी सफलता की कुंजी बन चुका है। ऐसे में अभिभावक अपने बच्चों के लिए ऐसे संस्थानों का चयन कर रहे हैं, जहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर भविष्य की मजबूत नींव रखी जा सके।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से बनता है सफल भविष्य

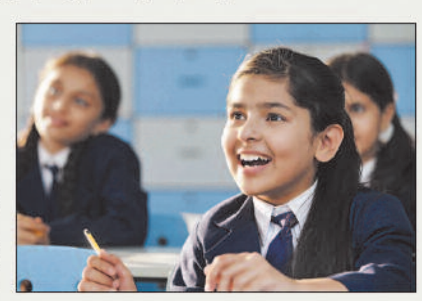

हर अभिभावक की इच्छा होती है कि उनका बच्चा श्रेष्ठ शिक्षा प्राप्त कर जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचे। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शहर के कई प्रतिष्ठित स्कूल एवं कोचिंग संस्थानों ने नए सत्र के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यहां अनुभवी शिक्षकों की टीम, स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक शिक्षण पद्धति और नियमित मूल्यांकन के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

पढ़ाई के साथ व्यक्तित्व विकास पर भी फोकस

आज के दौर में केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना ही पर्याप्त नहीं है। संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियां और तकनीकी दक्षता भी विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देती हैं। इसलिए अधिकांश संस्थान अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष जोर दे रहे हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बेहतर माहौल

स्कूलों के साथ-साथ कोचिंग संस्थान भी जेईई, नीट, सीयूईटी, ओलंपियाड, एनटीएसई, फाउंडेशन और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष बैच संचालित कर रहे हैं। अनुभवी फैकल्टी, नियमित टेस्ट सीरीज, डाउट क्लास, व्यक्तिगत मार्गदर्शन और समय-समय पर प्रदर्शन विश्लेषण विद्यार्थियों को सफलता की ओर अग्रसर करता है।

अभिभावकों की पहली पसंद बन रहे आधुनिक संस्थान

सुरक्षित परिसर, सीसीटीवी निगरानी, स्मार्ट क्लास, डिजिटल लर्निंग, कंप्यूटर एवं साइंस लैब, लाइब्रेरी, खेल सुविधाएं और नियमित पैरेंट्स-टीचर मीटिंग जैसी व्यवस्थाएं आज के आधुनिक शिक्षण संस्थानों की पहचान बन चुकी हैं। यही कारण है कि अभिभावक प्रवेश से पहले इन सभी सुविधाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं।

समय रहते कराएं प्रवेश

अधिकांश प्रतिष्ठित स्कूलों एवं कोचिंग संस्थानों में सीटें सीमित हैं। कई संस्थानों में मेरिट के आधार पर छात्रवृत्ति, विशेष छूट तथा प्रारंभिक प्रवेश पर आकर्षक ऑफर भी दिए जा रहे हैं। ऐसे में अभिभावकों और विद्यार्थियों को समय रहते अपनी पसंद के संस्थान में प्रवेश लेकर सुनहरे भविष्य की दिशा में पहला कदम बढ़ाना चाहिए।

Foundation
KINDERGARTEN
The best PLAY SCHOOL for your kids
ADMISSION OPEN
Pre Nursery to KG II
Contact Us
Nehru Nagar (East) 91091-33401
Maitri Nagar, Risali 91091-33402
Amdi Nagar, Hudco 91091-33403
Happy Kids · Caring Teachers · Joyful Growth
Building the Foundation for a Bright Future

Give Your Child a Happy, Strong Start in Risali Bhilai!
SHEMROCK
For a ROCK-Solid Foundation
PLAYSCHOOL RISALI, BHILAI
ADMISSIONS OPEN!
From Nursery (3+yrs) to Ukg (5+yrs)
What Makes Us Special?
✓ 36+ Years Experience
✓ Trusted by 4.5 lakh+ parents
✓ 650+ Preschools, Primary Schools & Sr. Schools
✓ Experienced Faculty
✓ Strong reading & math foundations through play
✓ CCTV campus, trained caregivers, daily parent app updates.
✓ Extracurricular Activities
At/po- 139/2, Maitri Kunj, Near To Ashirwad Bhawan, Risali, Bhilai, Durg
Book your campus tour today - Call @ 7000417349 to schedule your visit!

NEET JUNCTION
India's Most Trusted Portal For NEET Aspirants
आपके सपनों के डॉक्टर बनने की सही राह
NEET UG प्रवेश के लिए
संपूर्ण मार्गदर्शन
आपकी सभी मेडिकल प्रवेश आवश्यकता के लिए एक ही भरोसेमंद पोर्टल
मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया मार्गदर्शन
MBBS IN INDIA ABROAD
डॉक्टर बनने का सुनहरा अवसर
MEDICAL COURSE IN INDIA
• MBBS • BAMS • BPT
• BDS • BHMS • BVSC
सभी MEDICAL COLLEGES की जानकारी
अब बस एक CLICK की दूरी पर!
VISIT www.neetjunction.com
हम मार्गदर्शन करते हैं • आप निर्णय लें • हम साथ हैं
रैंक प्रेडिक्टर · कट ऑफ विश्लेषण · फीस संरचना · प्रवेश परामर्श · कॉलेज जानकारी · दस्तावेज मार्गदर्शन
सपना आपका, डॉक्टर बनाना हमारा लक्ष्य
सही जानकारी । सही निर्णय । सही कॉलेज
9171333396, 9171333397

HERITAGE
INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL
ADMISSION OPEN
NURSERY TO XII
SCIENCE COMMERCE HUMANITIES
C.B.S.E. AFFILIATED (Affiliation No.: 3330198)
DISE CODE : 22100720810
School Provides Admission Under RTE Act.
Admission Help desk 7566660470 / 71 / 75
www.heritageschools.org
heritage.schools@yahoo.com
DURG BYPASS ROAD, DURG (C.G.)

BHILAI PUBLIC SCHOOL
ENGLISH MEDIUM SENIOR SECONDARY SCHOOL
AFFILIATED TO CBSE, NEW DELHI (3330229)
ADMISSION OPEN
2026-27
NURSERY TO CLASS-XII
Maroda, Bhilai, Dist- Durg (C.G.)
Call : 0788-2265630, 9827154445, 9755536136
E-mail - bspbhilai@gmail.com
Website : bhilaipublicschool.com

MATS UNIVERSITY
SOFTTECH COMPUTER
REGIONAL CENTER
ADMISSION OPEN
Regular Course: DCA | PGDCA • BCA | BBA | M.A. (Hindi & English) • B.A. | B.SC | B.COM • PGDRD M.A. (EDU.) • PHYSICAL EDUCATION
PYTHON TRAINING: M.COM • M.SC.- (IT) • MSW • MCA/MBA • ANDROID APP DEVELOPMENT
Why Are We The Best?
• MODIC TEST SERIES • PROPER AND SYSTEMATIC • CAMPUS SELECTION • REGULAR MONITORING • NOTES PREPARED BY EXPERTS
Distance & Online Course: • B.A, B.SC (MATH & BIO) • BCA, BCOM, BBA, B.LIB. • MSC (MATH, CHEM, BOTONY) • MBA, MSW, MCA, M.SC (IT)
SPOKEN ENGLISH
FREE CG VYAPAM
RAILWAY BANK
1. वार्ड नं. 2, कॉलेज कालोनी, सामुदायिक भवन के पास, नगर पंचायत, उतई (छ.ग.)
2. मचांदूर गवर्नमेंट स्कूल के सामने (छ.ग.) 78039-68780, 96304-68780
Digital Marketing Training • Angular JS Training • Networking Training • PHP Training
Java Training • C & C++ Training • Web Design Training • Tally, GST Tally
AI Training • AI Usage • AI Generation • AI Literation

Skill India
छत्तीसगढ़ (प्रा.) आई.टी.आई
N.C.V.T, D.G.T. तथा छ. ग. शासन से मान्यता प्राप्त
प्रवेश प्रारम्भ
2026-27
• कोपा • कम्प्यूटर हार्डवेयर
• इलेक्ट्रीशियन • हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
मो. नं - 8602910708
पता - बोरसी, धनोरा - दुर्ग
छत्तीसगढ़ कृषि कॉलेज
धनोरा, दुर्ग
बी.एस.सी. (कृषि)
Mob : 8982102362

खबर संक्षेप

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का ग्रामीणों ने उठाया लाभ

भिलाई। बीएसपी द्वारा अपनी निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर द्वारा करंजा और पाटन विकासखंड के तहत घुघुवा गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर हुए। चिकित्सा अधिकारी डॉ. अखिल धर बनर्जी, फार्मासिस्ट जान्हवी, नर्सिंग स्टाफ तृप्ति कुमारी तथा पंजीयन सहायक राकेश कुमार व घुघुवा शिविर में डॉ. रूबी वर्मा ने सेवाएं दीं। करंजा में 23 ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। घुघुवा शिविर में 20 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

एल्डरमैनों का शपथ ग्रहण समारोह आज

धमधा। नगर पंचायत धमधा द्वारा नवनियुक्त एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन 23 जुलाई को किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 11:30 बजे से डॉ. भीमराव अंबेडकर केंद्रीय अटल बाजार चौक धमधा में आयोजित होगा। यह जानकारी आमंत्रण पत्र के माध्यम से दी गई है। समारोह में मनोनीत एल्डरमैन मनना महोबिया, अजय मिश्रा एवं उदयकांत पटेल शपथ ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल व अध्यक्षता विधायक ईश्वर साहू करेंगे। विशिष्ट अतिथियों के नगर पंचायत अध्यक्ष श्वेता प्रशांत अग्रवाल, उपाध्यक्ष बृजेश दानी, भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र ब्रह्मभट्ट सहित नगर पंचायत के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

स्कूली बच्चों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

अंडा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कोडिया के जूनियर रेड क्रॉस के जूनियर्स कक्षा 12वीं 11वीं एवं 10वीं के 15 छात्र छात्राओं ने छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही देखी। विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री, मंत्रियों के साथ तमाम विधायकों को सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेते देखा। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के मार्गदर्शन में विधानसभा भवन एवं छत्तीसगढ़ आदिवासी संग्रहालय शैक्षणिक भ्रमण हुआ। सरपंच खुमान निषाद ने छात्र-छात्राओं को बस में बिठाने से लेकर भ्रमण एवं उनके वापस घर आने तक की यात्रा सुनिश्चित की। प्राचार्य नीलमणि उजवने, रेड क्रॉस प्रभारी दानेश्वरी सिन्हा व्याख्याता और सहयोगी व्याख्याता रीना पिलोदिया ने मिलकर कार्यक्रम के रूपरेखा बनाई थी।

निधन

गायत्री पांडेय

भिलाई। 48/5 नेहरू नगर (पश्चिम) निवासी गायत्री पांडेय (पत्नी स्व. एचएन. पांडेय) का बुधवार को निधन हो गया है। वे 85 वर्ष की थीं। वे अपने पीछे पुत्र अतुल पांडेय, अजय पांडेय, अमित पांडेय, पुत्री अनुराधा शुक्ला, बहू अलका पांडेय, अर्चना पांडेय, प्रिया पांडेय, सात पोते-पोतियों और तीन पड़पोते-पड़पोतियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका अंतिम संस्कार 23 जुलाई को दोपहर 12 बजे रामनगर मुक्तिधाम भिलाई में किया जाएगा।

महेंद्र चन्द्राकर

अंडा। ग्राम चंदखुरी सडक पारा निवासी महेंद्र चन्द्राकर (45) का 21 जुलाई को आकस्मिक निधन हो गया। वे कुछ दिनो से अस्वथ चल रहे थे। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम चंदखुरी के मुक्ति धाम में किया गया। वे सारिका चन्द्राकर के पति व प्रियांशु, राजेंद्र चन्द्राकर के पिता थे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने दिया जा रहा उद्यमिता का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, दुर्ग द्वारा ग्राम पंचायत अंडा में महिलाओं के लिए पांच दिवसीय उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

प्रशिक्षण में 30 की संख्या में महिलाएं भाग ले रही हैं। आरसेटी के डायरेक्टर गुलशन कुमार, संयोजक अमित कुमार ऑफिस असिस्टेंट पुनीत श्रीवास्तव, हेमलता चंद्राकर और आकांक्षा शर्मा महिलाओं को कम लागत में शुरू किए जा सकने वाले उद्योगों की बारीकियां सिखा रहे हैं।

खास बातें

- ग्राम पंचायत अंडा में अगरबत्ती, साबुन, फिनाइल बनाने का दिया जा रहा प्रशिक्षण
- ग्राम पंचायत अंडा में महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण
- 30 से ज्यादा महिलाओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

संस्थान के निदेशक ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को अगरबत्ती, धूपबत्ती, साबुन, निरमा पाउडर और फिनाइल बनाने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। साथ ही कच्चा माल कहां से मिलेगा, लागत कितनी आएगी और उत्पाद की बाजार में बिक्री कैसे होगी, इस पर भी विस्तार से चर्चा की जा रही है। प्रशिक्षण में शामिल महिलाओं ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से उन्हें घर बैठे रोजगार का अवसर मिलेगा। बैंक द्वारा प्रशिक्षण के बाद ऋण और मार्केटिंग में भी सहयोग का आश्वासन दिया गया है। आरसेटी दुर्ग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को कौशल विकास से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए लगातार इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी

गभरा का आंवला बगीचा बना मुरूम भंडारण केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन/अम्लेश्वर

पाटन विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत करगा-गभरा में स्थित शासकीय आंवला बगीचा इन दिनों कथित रूप से मुरूम भंडारण का केंद्र बन गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि मुरूम कारोबारी खुलेआम बगीचे में पेड़-पौधों के नीचे बड़ी मात्रा में मुरूम का भंडारण कर रहे हैं, जबकि इस पर रोक लगाने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत के सरपंच कमलेश ठाकुर ने आंवला बगीचा में मुरूम भंडारण करने से मना किया था और भंडारित मुरूम हटाने की बात भी कही गई थी। इसके बावजूद आज तक मुरूम नहीं हटाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि आंवला बगीचा बस्ती के समीप स्थित है, जहां तीज-त्योहार के अवसर पर महिलाएं और बच्चे घूमने आते हैं तथा बच्चे खेलकूद करते हैं। ऐसे सार्वजनिक स्थान पर बड़ी मात्रा में मुरूम का भंडारण होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सूत्रों के अनुसार, मुरूम कारोबारी द्वारा सैकड़ों हाइवा मुरूम का भंडारण किया गया है, जिसे मांग के अनुसार ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। बारिश के मौसम में मुरूम की मांग बढ़ने के कारण शासकीय भूमि पर अवैध भंडारण किए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन गभरा में आंवला बगीचा तक को भंडारण स्थल बना दिए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे कार्रवाई को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

साजा विधायक ईश्वर साहू के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित अभद्र टिप्पणी

भाजपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश, सौंपा धमधा थाना को ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमधा

साजा विधानसभा के विधायक ईश्वर साहू के विरुद्ध सोशल मीडिया पर कथित अभद्र एवं मानहानिकारक टिप्पणी किए जाने के मामले में भाजपा धमधा मंडल के अध्यक्ष लोकेंद्र ब्रह्मभट्ट के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को थाना प्रभारी धमधा को लिखित शिकायत सौंपते हुए संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।

शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि बीएमटी न्यूज के फेसबुक पेज पर प्रकाशित एक पोस्ट के कमेंट सेक्शन में राजीव गुप्ता नामक व्यक्ति द्वारा विधायक ईश्वर साहू के संबंध में कमजोर और निकम्मे जैसे अभद्र एवं मानहानिकारक टिप्पणी की गई। भाजपा पदाधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार की टिप्पणी न केवल एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि की गरिमा को ठेस पहुंचाती है, बल्कि भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों की भावनाओं को भी

आहत करती है तथा क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द एवं शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका उत्पन्न करती है। भाजपा मंडल अध्यक्ष ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध प्रचलित विधिक प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई करने तथा भविष्य में इस प्रकार की आपत्तिजनक सोशल मीडिया टिप्पणियों पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की है। शिकायत के साथ संबंधित फेसबुक पोस्ट का स्क्रीनशॉट भी साक्ष्य के रूप में संलग्न किया गया है।

इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र ब्रह्मभट्ट, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रमन लाल यादव, नगर पंचायत उपाध्यक्ष बृजेन्द्र दानी, विधायक प्रतिनिधि आरूणी दानी, सांसद प्रतिनिधि नरेश चन्द्र साहू, भाजपा मंडल महामंत्री बनऊ वर्मा, एल्डरमैन मन्ना महोबिया, एल्डरमैन तुलसी पटेल, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष देवनाथ सिन्हा, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, भाजयुमो महामंत्री योगेश बंजारे, गिरधारी साहू, भाजयुमो उपाध्यक्ष रामसिंग साहू, ओबीसी मोर्चा महामंत्री स्वरुप ताम्रकार, भूषण लाल धीवर, दिनेश यादव, पवन देवांगन, सागर वर्मा आदि मौजूद थे। पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है तथा मामले में आगे की कार्रवाई जांच के उपरांत की जाएगी।

जनपद पंचायत दुर्ग में सरपंचों की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उतई

जनपद पंचायत दुर्ग में धमधा, पाटन व दुर्ग के सरपंच जुटे। अपने-अपने विषयों को लेकर सरपंचों ने पहली बार ऐसी बैठक की। मुख्य रूप से पानी, बिजली, ग्राम विकास कार्य, राशनकार्ड, जॉबकार्ड, आवास,पेंशन, जेम पोर्टल, गोठान, चारागाह, स्कूल भवनों की मरम्मत, टैक्स वसूली, मानदेय, गौण खनिज राशि, ग्राम-सभा प्रस्ताव की विश्वसनीयता व कार्य एजेंसी संचालन में आने वाली समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। सरपंचो ने निर्णय लिया कि 7 से 10 सूत्रीय मांगों को लेकर आगामी सोमवार को कलेक्टर दुर्ग को ज्ञापन सौपेंगे। तीनो ब्लॉक के सरपंचों ने मिलकर छत्तीसगढ़ राज्य सरपंच संघ तक अपने विचारों को प्रकट करने की बात कही।

एसएमएस-3 में सीओजी हेडर लाइन की कमीशनिंग

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एसएमएस-3) में पूर्णतः इन-हाउस संसाधनों से विकसित नए हॉट मेटल (एचएम) लैडल प्रीहीटर और वैकल्पिक कोक ओवन गैस (सीओजी) हेडर लाइन की सफलतापूर्वक कमीशनिंग की गई। इससे उत्पादन क्षमता, बेहतर परिचालन तथा सुरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा। रखरखाव कार्यों के दौरान भी उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने के साथ संयंत्र की उपलब्धता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि होगी।परियोजना के तहत एसएमएस-3 में दो महत्वपूर्ण तकनीकी सुधार किए गए हैं। प्रथम, समर्पित डीएन-350 हेडर लाइन एवं नए हॉट मेटल लैडल प्रीहीटर की स्थापना की गई है। इसके माध्यम से लैडल बे एवं नए प्रीहीटर को निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इससे लैडल को कम समय में तैयार करने की क्षमता बढ़ी है तथा परिचालन बेहतर हुआ है। दूसरा, वैकल्पिक सीओजी हेडर लाइन विकसित की गई है, जो लैडल ड्रायर सर्किट को निरंतर एवं स्थिर गैस आपूर्ति उपलब्ध कराती है।

नई वेज कमेटी के गठन में लेटलतीफी से सेल कर्मियों को हो रहा नुकसान, एरियर्स भी है लंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

इंटक ने सेल चेयरमेन से की जल्द वेतन समझौता पूर्ण करने की मांग

नई वेज कमेटी के गठन में विलंब से सेल के हजारों कर्मचारियों को नुकसान हो रहा है। इससे असंतोष बढ़ रहा है। स्टील इम्प्लाइज यूनियन इंटक ने सेल चेयरमेन से जल्द वेज कमेटी गठित करने के साथ लंबित एरियर्स व वेतन समझौता पूर्ण किए जाने की मांग की है। ऐसा नहीं करने पर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी है।इंटक के महासचिव संजय कुमार साहू के नेतृत्व में यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को सेल चेयरमैन के नाम भिलाई इस्पात संयंत्र के आईआर विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक राहुल थोटे को सौंपे गए ज्ञापन में 39 महीने के एरियर का भुगतान, लंबित वेतन समझौते को शीघ्र पूर्ण करने तथा 1 जनवरी 2027 से प्रस्तावित नए वेतन समझौते के लिए नई एनजेसीएस कमेटी के गठन की मांग की। श्री साहू

ने बताया कि 1 जनवरी 2017 से प्रभावी वेतन समझौते की प्रक्रिया को नौ वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन आज तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। सेल के कर्मियों और प्रबंधन के प्रयासों से कंपनी ने लगातार उत्पादन, उत्पादकता व लाभ के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। ऐसे में कर्मचारियों के साथ न्याय करते हुए लंबित वेतन समझौते को तत्काल पूरा किया जाना चाहिए। चित किया जाए कि अधिकारियों और कर्मचारियों दोनों को वेतन वृद्धि का लाभ समान, पारदर्शी और न्यायसंगत रूप से प्राप्त हो। एनजेसीएस की पूर्ण बैठक जल्द बुलाकर 1 जनवरी 2017 से लंबित वेतन समझौते को तत्काल पूर्ण किया जाए, 39 महीने के एरियर का भुगतान किया जाए तथा 1 जनवरी 2027 से प्रस्तावित वेतन समझौते के लिए नई एनजेसीएस कमेटी का गठन किया जाए, ताकि वेतन पुनरीक्षण की प्रक्रिया समय पर प्रारंभ हो सके। साहू ने बताया कि सेल को 40,000 करोड़ रुपये का लाभ होने के बाद भी प्रबंधन उदासीन है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगी। प्रतिनिधिमंडल में पूरन वर्मा, जीके सूर्यवंशी, रमन मूर्ति, एसबी सिंह, सीपी वर्मा, गुरुदेव साहू, दीनानाथ सिंह सार्वा, विजय विश्वकर्मा आदि मौजूद थे।

दुर्ग शहर में लगेगी स्व. हेमचंद यादव की प्रतिमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

दुर्ग जिला यादव ठेठवार समाज के प्रतिनिधियों द्वारा दुर्ग नगर महापौर अल्का बाघमार से भेंट कर छग शासन के पूर्व केबिनेट मंत्री स्व. हेमचंद यादव की प्रतिमा लगाने की मांग की गई। जिस पर महापौर अल्का बाघमार ने आश्वासन दिया की बहुत जल्द उतई टेम्पो स्टैंड के पास चौक में सौंदर्यकरण कर 12 फिट की स्व. हेमचंद यादव की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। महापौर ने चर्चा में बताया कि सामान्य एमआईसी बैठक में प्रस्ताव पारित हो चुका है। जल्द ही कार्य करवाया जाएगा। इस अवसर पर जिला यादव ठेठवार समाज अध्यक्ष मुकेश यादव,

गोविंदा लखन यादव, अशोक यादव, भुनेश्वर यादव, राधेलाल यादव, केके यादव, श्रीकांत यादव, होमलाल यादव सहित दुर्ग जिला यादव ठेठवार समाज दुर्ग नगर प्रतिनिधि शामिल हुए।

बिजनेस साइट

री-नीट 2026 में कोटा स्टडी सर्किल के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

भिलाई। री-नीट 2026 के घोषित परिणामों में कोटा स्टडी सर्किल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। संस्थान के कई विद्यार्थियों ने शानदार अंक प्राप्त कर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया है। संस्थान के प्रमुख सफल विद्यार्थियों में जसराज ने 621 अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया। इसके अलावा

कमलकिशोर 620, दिलीप कुमार 615, दीपक 606, अंकित कुमार 605, लोकेश कुमार 599, अजय चौधरी 598, मोहम्मद आदिल 596, गोविंद 589 तथा अनुराग 588 अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। अन्य सफल विद्यार्थियों में रेनुका वर्मा 488, कान्हा 375, रुद्रानी 366, समीक्षा 345 तथा आकांक्षा झारिया 319 अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। संस्थान के निदेशक एवं समस्त शिक्षकगण ने सभी सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नए बैजेस 27 जुलाई से प्रारंभ हो रहे हैं। कोटा स्टडी सर्किल की छत्तीसगढ़ में रायपुर तथा भिलाई में स्थित है। रायपुर में आरसी कॉलेज के सामने तथा भिलाई में एक बिल्डिंग नंबर 150 न्यू सिविक सेंटर में आकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

बेटी की शादी पर मिलेगा निःशुल्क गैस कनेक्शन

भिलाई। विधायक रिकेश सेन ने

एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्राप्त करने वाले परिवारों में बेटियों का विवाह होने पर नवविवाहित दंपत्ति को निःशुल्क एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत एक गैस सिलेंडर और एक गैस चूल्हा प्रदान किया जाएगा। नई पहल का शुभारंभ 10 अगस्त से उनके जन्मदिन के दिन से किया जाएगा। विधायक रिकेश सेन ने बताया कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों की बेटी के विवाह के बाद नए गृहस्थ जीवन की शुरुआत सुविधाजनक और सम्मानजनक हो, यही इस योजना का उद्देश्य है। स्वच्छ ईंधन का उपयोग केवल सुविधा ही नहीं, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और बेहतर जीवन स्तर से भी जुड़ा हुआ है।

ब्लड बैंक को मजबूत बनाने जुटेंगे समाज के प्रतिनिधि

दुर्ग। जिला चिकित्सालय दुर्ग परिसर में संचालित ब्लड बैंक में रक्त की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने और स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 25 जुलाई को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थाओं, उद्योगों, पुलिस एवं अर्धसैनिक बलों, जनप्रतिनिधियों तथा समाज प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है। रेडक्रास सोसायटी के जिला नोडल अधिकरी डॉ. सीबीएस बंजारे ने बताया कि बैठक 25 जुलाई को सुबह 11 बजे सिविक सेंटर भिलाई में आयोजित होगी। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर और इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला दुर्ग के अध्यक्ष अभिजीत सिंह करेंगे। रेडक्रॉस सोसायटी ने जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, शासकीय कर्मचारी संगठनों, राजनीतिक दलों तथा समाजसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों से बैठक में शामिल होकर सुझाव देने और रक्तदान अभियान को जनआंदोलन बनाने में सहयोग करने की अपील की है। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में रक्तदान गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाना है, ताकि ब्लड बैंक में रक्त की कमी जैसी स्थिति उत्पन्न न हो।

आवास प्लस 2.0 के लिए दावा-आपत्ति 28 तक

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले में आवास प्लस 2.0 के तहत पात्र हितग्राहियों की सूची को अंतिम रूप देने के लिए दावा-आपत्ति प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आपत्ति 28 जुलाई तक मंगाई गई है। इस अवधि में ऐसे परिवार, जिनकी जानकारी में किसी प्रकार की त्रुटि है, वे संबंधित ग्राम पंचायत में निर्धारित प्रारूप में दावा प्रस्तुत कर सकेंगे। वहीं, यदि किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल पाया जाता है तो उसके विरुद्ध आपत्ति भी दर्ज कराई जा सकेगी। यह प्रक्रिया योजना में पारदर्शिता बनाए रखने तथा वास्तविक पात्र परिवारों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। दावा और आपत्ति प्राप्त होने के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों का सत्यापन एवं आवश्यक जांच की जाएगी।

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को नीट व जेईई की कोचिंग देने बनी रणनीति

दुर्ग संयुक्त संचालक ने सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

सरकारी स्कूलों से बारहवीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को नीट और जेईई की विशेष कोचिंग देने की घोषणा शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने की है। जिसे हाल ही में जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सहमति दी। इस कोचिंग व्यवस्था को मूर्तरूप देने के लिए दुर्ग संभागीय शिक्षा संयुक्त संचालक ने कार्ययोजना बनाई। बुधवार को उन्होने दुर्ग जिले के 40 स्पेशलिस्ट टीचरों का चिहांकन कर उनकी बैठक ली और कार्य योजना बताई। आने वाली चुनौतियों को निपटने के लिए सुझाव भी मांगे।

अगस्त महीने से शुरू होगी कोचिंग कक्षाएं

दुर्ग भिलाई पूरे प्रदेश में एजुकेशन हब के नाम से जाना जाता है किंतु यहां सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी का नीट और जेईई जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन अत्यधिक कम या नगण्य है। जिस पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव द्वारा चिंता व्यक्त करते हुए दुर्ग जिले के विद्यार्थी जो किसी कारणवश नीट और जेईई की कोचिंग प्राप्त करने में सक्षम नहीं है। ऐसे कक्षा ग्यारहवीं एवं 12वीं के चयनित विद्यार्थियों के लिए जिला स्तर पर कोचिंग कक्षाएं माह अगस्त से प्रारंभ करने के निर्देश दुर्ग शिक्षा विभाग को दिए है। इस अनुक्रम में डॉक्टर के वी राव संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग द्वारा जिले के शासकीय विद्यालयों के शिक्षकों की बैठक ली गई और उन्हें शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव की मंशा अनुरूप इस योजना की रूपरेखा से अवगत कराया गया ।उन्होंने कहा कि शासकीय विद्यालय के शिक्षकों का चयन मेरीट बेसिस पर या व्यापम द्वारा या तो किसी न किसी परीक्षा के माध्यम से होता है इसलिए हमारे विभाग में कार्यरत शिक्षक बहुत सक्षम है । उन्होंने कहा कि आज की स्थिति में देश में 23आईआईटी,31 एनआईटी इसके अलावा देश में 25 आईआईआईटी तथा मेडिकल की क्षेत्र में हर राज्य में एक एम्स हो गया है,छत्तीसगढ़ राज्य में एक मेडिकल कॉलेज के स्थान पर अब 15 मेडिकल कॉलेज हो गए हैं यदि हम बच्चों पर थोड़ी मेहनत करें तो निश्चित ही हम शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का चयन नीट एवं जेईई में करा सकते हैं।

कोचिंग से मेरिट सूची भी सुधरेगी

जेडी डॉ राव ने कहा कि इस कोचिंग से बोर्ड परीक्षा में जिले के अधिक से अधिक विद्यार्थियों के मेरिट सूची में आने की पूरी-पूरी संभावना होगी। इस कोचिंग से विद्यार्थियों के अलावा शिक्षकों को भी दो फायदे होंगे एक तो स्वयं का ज्ञानवर्धन होगा और उनकी पहचान भी बढ़ेगी। बैठक में कोचिंग हेतु समय सारणी किस प्रकार होगा तथा चयनित विशेष विशेषज्ञ किस-किस टॉपिक को डील करेंगे उसे भी सूचीबद्ध करते हुए पूरी रणनीति तैयार की गई। चयनित विषय विशेषज्ञ शिक्षकों का राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कोचिंग संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा जिला स्तर पर तीन दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसमें वे नीट एवं जेईई की कोचिंग की बारीकियों को समझ सकेंगे।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के नेतृत्व में किया विरोध

दिल्ली में छात्र-छात्राओं पर लाठी चार्ज, बरसते पानी में कांग्रेसियों ने फूंका पीएम का पुतला

पुलिस के साथ झूमाझटकी भी हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्र छात्राओं पर किए गए लाठी चार्ज और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बर्बरतापूर्वक हिरासत में लिए जाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को दोपहर चंदूलाल चंद्राकार चौक, सुपेला पर प्रधानमंत्री का पुतला फूंका। मांग किया कि देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दे। जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेसियों के साथ पुलिस कर्मियों की झड़प भी हुई। पुलिस कर्मियों ने पुतले को अपने कब्जे में लेने का प्रयास किया। लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। लास्ट में कांग्रेसियों ने पीएम का पुतला दहन कर दिया। इस दौरान कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार को जमकर कोसा और नारेबाजी भी की। जिला अध्यक्ष ने कहा कि एक दिन पूर्व लोकसभा भवन के समक्ष पुलिस प्रशासन ने जिस बर्बरता ढंग से छात्रों के ऊपर लाठीचार्ज किया उससे पूरा देश उद्वेलित है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा सरकार की इस दमन विरोध करने सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हजारों की संख्या में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं कांग्रेस के कई सीनियर नेता इस पुतला दहन कार्यक्रम में पहुंचे। पुतला दहन में अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, रिसाली महापौर शशि सिन्हा,केशव बंछोर, गिरवर बंटी साहू,बृजमोहन सिंह, इरफान खान,नरसिंह नाथ, जी राजू, दिनेश पटेल, मोहम्मद रफीक, शीजु ,संदीप निरंकारी, सीजु एंथनी, अरुण सिसोदिया, आदि उपस्थित थे।

पीएम और शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा

सुपेला चौक पर कांग्रेसियों ने प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो के नारे तक लगाए गए। पुतला दहन कार्यक्रम को बरसते पानी में पुतला लेकर जब कांग्रेसी पहुंचे तो पुलिस कर्मियों ने उनके हाथ से पुतला छीनने का प्रयास किया। कांग्रेसियों ने जमकर नारेबाजी करते हुए अंततः पुतले में आग लगा दी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने कहा कि जंतर मंतर से अपने हितों को लेकर पैदल मार्च करने करते छात्र-छात्राओं पर पुलिस ने जिस बर्बरता ढंग से लाठी प्रहार किया है। वह अमानवीय है।

छावनी थाने में बैठे धरने पर

अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने बताया कि कांग्रेसी कार्यकर्ता पर जबरन डॉयल 112 का वाहन ठोकर मारने के बाद उस पर कर्मियों ने थप्पड़ जड़ दिया था। सूचना पर छावनी पहुंचकर विरोध प्रदर्शन कर पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की गई। गुरुवार तक का समय पुलिस वालों ने दिया है। पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन मिलने के बाद थाने से उठ गए।

स्वास्थ्य कर्मियों ने वेतन विसंगति दूर करने, नियमित भर्ती, पदोन्नति और निजीकरण पर रोक की मांग

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने मंगलवार को अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर सांकेतिक धरना दिया। बरसात में रैली आयोजित कर सरकार का ध्यान स्वास्थ्य कर्मचारियों की समस्याओं की ओर आकर्षित किया। भोजन अवकाश के दौरान जिला चिकित्सालय दुर्ग से रैली निकालकर कर्मचारियों ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन की प्रतिलिपि कलेक्टर दुर्ग और सीएमएचओ को भी दी गई। प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम, उप प्रांताध्यक्ष प्रमेश पाल, संभागीय अध्यक्ष अजय नायक, जिला अध्यक्ष सत्येंद्र गुप्ता तथा जिला सचिव भूपेश उपाध्याय ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की कई महत्वपूर्ण मांगें लंबे समय से लंबित हैं, जिनके निराकरण के लिए सरकार को लगातार अवगत कराया जा रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। संघ ने अपनी प्रमुख मांगों में सभी कैडरों की वेतन विसंगति दूर करने, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की विभागीय पदोन्नति सुनिश्चित करने, ठेका प्रथा, आउटसोर्सिंग और संविदा व्यवस्था समाप्त करने की मांग उठाई। इसके साथ ही प्रदेश में अस्पतालों के निजीकरण पर रोक लगाने तथा जीवनदीप समिति के कर्मचारियों को नियमित करने की भी मांग की गई। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज अस्पताल कंचादूर की नर्सिंग प्रकोष्ठ की अध्यक्ष जैकलीन डान, जिला अस्पताल दुर्ग की मंजू राय, कविता साहू, नर्सिंग संयोजक शिवेन्द्र साहू, जिला अस्पताल संयोजक दुर्ग राघवेंद्र साहू, कार्यकारी जिलाध्यक्ष खिलावन चंद्राकर, महामंत्री लक्ष्मीकांत धोटे, सुपेला अध्यक्ष सुशीला सिंह, निकुम अध्यक्ष यामनी नेताम, जीवन दीप समिति अध्यक्ष लक्ष्मी कांत, सरस्वती चंद्राकर, योगेश ठाकुर, मुकेश शर्मा आदि उपस्थित थे।

अतिथि शिक्षकों के आंदोलन को समाप्त करने शिक्षा मंत्री ने की पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने छत्तीसगढ़ अतिथि शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर उनकी विभिन्न मांगों पर चर्चा की। अतिथि शिक्षक संघ प्रतिनिधि मंडल द्वारा अतिथि शिक्षकों के संविलियन/समायोजन और ग्रीष्म अवधि का मानदेय प्रदान करने 'समान कार्य- समान वेतन' के तहत व्याख्याता पद के मूल वेतनमान का लाभ देने तथा शासकीय कर्मचारियों के समान अवकाश की पात्रता के तहत विभिन्न मांगे रखी गई।प्रतिनिधिमंडल के साथ सभी विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। अतिथि शिक्षकों की समस्त मांगो एवं समस्याओं पर गंभीरता पूर्वक और संवेदनशीलता के साथ विचार किए जाने के संबंध में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव दवारा आश्वासन दिया गया। साथ ही प्रतिनिधि मंडल को अवगत कराया गया कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हितों के प्रति सदैव संवेदनशील है और उनके जायज अधिकारों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। स्कूल शिक्षा मंत्री यादव द्वारा छत्तीसगढ़ अतिथि शिक्षक संघ द्वारा विगत कुछ दिनों से संचालित धरना प्रदर्शन को समाप्त किए जाने प्रतिनिधिमंडल से आग्रह किया।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने अतिथि शिक्षक संघ से चल रहे धरना-प्रदर्शन को समाप्त करने का आग्रह किया। वहीं, जेआरडी शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दुर्ग के प्राचार्य एवं जिला शिक्षा अधिकारी ने धरने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने का हवाला देते हुए कलेक्टर से प्रदर्शन स्थल खाली कराने का अपील भी किया। इसके बाद कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने भी अतिथि शिक्षक संघ से धरना समाप्त कर स्थल मुक्त करने की अपील की।

आयुक्त ने देखी जलभराव और सफाई व्यवस्था

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह ने निगम क्षेत्र के विभिन्न जोनों का निरीक्षण कर नागरिकों से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जोन-1 नेहरू नगर स्थित बाम्बे आवास के पास डूबान क्षेत्र, जोन-2 रामनगर स्थित नवीन पानी टंकी तथा जोन-3 अंतर्गत दुर्गापारा स्थित तालाब का बारीकी से अवलोकन किया। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जलभराव, पेयजल व्यवस्था और स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयुक्त ने सबसे पहले जोन-1 नेहरू नगर क्षेत्र में बाम्बे आवास के पास स्थित डूबान क्षेत्र का निरीक्षण किया। बरसात के दौरान अधिक बारिश होने पर यहां जलभराव की स्थिति निर्मित होने से नागरिकों को होने वाली परेशानी को देखते हुए आयुक्त ने अधिकारियों से क्षेत्र की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए नालियों की नियमित सफाई कराई जाए। नालियों में कचरा, गाद एवं अन्य अवरोध जमा न होने पाए, इसका विशेष ध्यान रखने के साथ ही जलभराव वाले क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात निगम आयुक्त ने जोन-2 रामनगर स्थित नवीन पानी टंकी का निरीक्षण किया। उन्होंने पानी टंकी की वर्तमान स्थिति एवं संचालन व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों से जानकारी ली। आयुक्त ने टंकी से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने कहा।

दुर्गापारा तालाब का भी लिया जायजा

निरीक्षण के अगले चरण में आयुक्त ने जोन-3 अंतर्गत दुर्गापारा स्थित तालाब का भी जायजा लिया। उन्होंने तालाब एवं उसके आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को नियमित रूप से सफाई कराने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि तालाब के आसपास गंदगी एवं कचरा जमा न होने दिया जाए तथा नागरिकों द्वारा तालाब के किनारे कचरा फेंकते पाए जाने पर तत्काल चालानी कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्वच्छता व्यवस्था की सतत निगरानी करने और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रविदास नगर में पेयजल संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

भिलाई शारदा पारा कैंप-2 स्थित रविदास नगर वार्ड 37 में पिछले कई महीनों से बनी पेयजल समस्या को लेकर मोहल्लेवासियों ने भाजपा के जिला कार्यकारिणी सदस्य मुन्ना आर्य के नेतृत्व में नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त सुरुचि सिंह को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि वार्ड 37 के रविदास नगर क्षेत्र में करीब 3 से 4 महीनों से पेयजल का गंभीर संकट बना हुआ है। अजय कोलते के घर से पुलिया तक, वंदन पाल ढेला हनुमान मंदिर से गोरेश गवरे के घर तक तथा शीतला मंदिर से बबलन के घर तक शिवनाथ पाइपलाइन से नियमित पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। इसके चलते स्थानीय लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मोहल्लेवासियों ने आयुक्त को सौंपे ज्ञापन में मांग की कि क्षेत्र की पेयजल समस्या का जल्द से जल्द स्थायी समाधान किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य मुन्ना आर्य ने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से नागरिकों को लंबे समय तक वंचित रखना उचित नहीं है। उन्होंने निगम प्रशासन से तत्काल आवश्यक कदम उठाकर प्रभावित क्षेत्र में नियमित जलापूर्ति सुनश्चिति करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने शेख शमीम अतुल चक्रवर्ती अखबार खान, राजेश कुहिकर,रमेश ठाकरे, गीता कुहिकर, प्रियंका कोलते, राजकुमारी, रेखा, ममता, सरोज, सुनीता समेत रविदास नगर लोग मौजूद थे।

छायादार व फलदार पौधों से पर्यवारण संतुलन के साथ खूबसूरती बढ़ेगी

टाउनशिप में हरियाली बिखेरने बीएसपी लगाएगा 1 लाख पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

सेल का सबसे बड़ा प्लांट भिलाई इस्पात संयंत्र अपनी फौलादी संस्कृति के साथ हरीभरी और खूबसूरत टाउनशिप के लिए भी जाना जाता है। ग्रीन सिटी की विशेषता यह है कि पिछले 50 साल के दौरान यहां लगे लाखों पेड़ औद्योगिक प्रदूषण को अवशोषित करने के साथ तापमान को संतुलित करनें में भी खास भूमिका निभा रहे हैं। हफ्तेभर की बारिश के बाद अब यह हरियाली और बढ़ जाएगी। भिलाई इस्पात संयंत्र के उद्यानिकी विभाग द्वारा वृहद मानसूनी पौधारोपण अभियान के टाउनशिप एक लाख पौधे लगाए जाएंगे। इनमें छायादार और फलदार दोनों तरह के पौधे होंगे। इस मुहिम का आगाज सेक्टर नौ से हुआ।

उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना के समय से ही टाउनशिप पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए बीएसपी के उद्यानिकी विभाग द्वारा पिछले 50 साल साल से पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अब तक सेक्टर एरिया में 40 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए हैं। हर साल मानसून के आगमन के साथ निर्धारित लक्ष्य के तहत पौधे लगाए जाते हैं। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के मुताबिक इस साल एक लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। अभियान की शुरुआत सेक्टर 9 सेक्टर से परिसर से हुई। बीएसपी के डायरेक्टर इंचार्ज चित्तरंजन महापात्र ने पौधरोपण कर 30 सितंबर तक चलने वाली इस हरितिमा मुहिम की शुरुआत की। कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, अरुण कुमार, महाप्रबंधक एबी श्रीनिवासन, ए प्रियदर्शी,अजय कुमार और उद्यानिकी प्रमुख डां. एनके जैन व प्रबंधक सौमिक डे आदि अधिकारियों ने भी पौधारोपण किये। डां. जैन ने बताया कि अभियान के दौरान हास्पिटल सेक्टर, सेक्टर 4, 7, 8 आदि विभिन्न सेक्टरों में प्रमुख सड़कों, खाली स्पेस, सार्वजनिक भवनों के परिसरों आदि में पौधे लगाए जाएंगे। इसके पूर्व जंयती स्टेडियमस मैत्रीबाग रोड आदि में पौधरोपण किया जा चुका है। अधिकाधिक पौधे लगाने का उद्देश्य टाउनशिप व माइनिंग एरिया में पर्यवारण के साथ सुंदरता को बनाए रखना है।

पर्यावरण संतुलन में योगदान

बरसात के मौसम में जारी अभियान के दौरान उद्यानिकी विभाग द्वारा छायादार व फलदार तथा औषधीय पौधे लगाए जाएंगे। इनमें करंज, गुलमोहर, नीम, अमलतास, आम, इमली, कदंब, आवंला शीशम, जामुन, शांल, पलाश आदि पचास प्रजातियों के पौधे होंगे। पूर्व में टाउनशिप में लगे करीब 40 लाख पौधे कार्बन अवशोषित कर आक्सीजन प्रदान करते हैं। साथ ही गर्मी के मौसम में करीबन डेढ़ डिग्री तापमान कम करते हैं। पटरीपार और टाउनशिप में अंतर साफ महसूस होता है।

पानी की बर्बादी रोकने के साथ बढ़ेगी चहचहाहट

टाउनशिप में लाखों पेड़ों के लगे होने से चौतरफा लाभ होता है। अब एक लाख पौधे और लग जाने से आने वाले समय में इसका फायदा आमजनों के साथ बेजुबां परिंदों को भी होगा। मैत्रीबाग के प्रभारी व जीएम डां. जैन बताते हैं कि एक पेड़ राहगीरों को छाया के साध पचासों पक्षियों को बसेरा देता है। एक लाख पौधे लग जाने से टाउनशिप में और सैकड़ों परिंदों की चहचहाहट बढ़ जाएगी। इसके अलावा बरसात के पानी को व्यर्थ बहकर नष्ट होने से भी यह पेड़ बचाएंगे। एक दो साल में पौधे बढ़ जाएंगे। नगर सेवाएं विभाग के जीएम एबी श्रीनिवासन के मार्गदर्शन में पौधों की सुरक्षा व देखभाल में भी विभाग की टीम जुटी रहती है। उद्यानिकी प्रमुख डां, एनके जैन के साथ विभाग के विक्रांत, शंकर अग्रवाल, ललित यादव, मदनलाल चंद्रा, राजेश शर्मा, अजय तिवारी आदि की टीम अभियान को सफल बनाने में जुटी हुई है।

online Booking:-www.tripuryatra.com

30 जुलाई, 13 अगस्त, 03 सितम्बर,01 अक्टूबर, 19 नवंबर, 17 दिसंबर 2026, 06 जनवरी 2027 (12 दिन)

सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर

नेपाल विदेश यात्रा

पशुपतिनाथ, माँ मनोकामना देवी, लुम्बिनि (भगवान बुद्ध का जन्म स्थान), पोखरा (गुप्तेश्वर महादेव,डेविड फॉल विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक), काठमांडू (बूढ़ा नीलकंठ, बुद्ध स्तूप) गोरखपुर, बनारस (श्री काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग), अयोध्या (श्रीराम जन्मभूमि), जनकपुर (सीता मईया का जन्म स्थल)

नेपाल विदेश यात्रा के इंडिविजुअल (व्यक्तिगत) पैकेज के लिए संपर्क करें।

राशि:-स्लीपर 18,500/-, 3 एसी 28,500/-, 2 एसी 31,500/-(+ 5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:-7354-411411

हरिभूमि लाइव

रायपुर, गुरुवार 23 जुलाई 2026

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

02

गुप्त नवरात्र में दस महाविद्याओं की...

लाइव इवेंट

बीआईटी दुर्ग से एप्पल के कैलिफ़ोर्निया मुख्यालय तक की बताई यात्रा

भिलाई। बीआईटी दुर्ग ने बीटेक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक एलुमनाई इंटरैक्शन सेशन आयोजित किया, जिसमें उन्हें विशिष्ट पूर्व छात्र सुधीर बघेल से सीखने का अवसर प्राप्त हुआ। श्री बघेल ने वर्ष 1999 में बीआईटी दुर्ग से विद्युत अभियांत्रिकी में स्नातक किया था और वर्तमान में वे सीनियर डेवलपर एंड कंसल्टेंट के रूप में एप्पल, कैलिफ़ोर्निया, अमेरिका में कार्यरत हैं। उनका कार्यक्षेत्र स्मार्टफोन में नवीन फीचर्स के डिज़ाइन और विकास से जुड़ा है, जो एप्पल फोन को प्रतिस्पर्धियों से अलग बनाता है। सत्र के दौरान श्री बघेल ने नए विचारों की जिम्मेदारी लेने के महत्व पर बल दिया, चाहे वे कितनी भी चुनौतियों से भरे क्यों न हों। उन्होंने विद्यार्थियों को आसान मार्ग की बजाय कठिन मार्ग अपनाने का आग्रह किया और बताया कि कठिन परिश्रम और धैर्य से प्राप्त परिणाम अधिक गहन होते हैं तथा व्यक्ति को मजबूत, सक्षम और सफल बनाते हैं। उन्होंने बीआईटी परिसर से एप्पल के कैलिफ़ोर्निया मुख्यालय तक की अपनी प्रेरणादायी यात्रा भी साझा की।

विद्यार्थियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , उसके प्रभाव और नई प्रोग्रामिंग भाषाएं सीखने की आवश्यकता जैसे विषयों पर कई प्रश्न पूछे। बीआईटी दुर्ग के प्राचार्य डॉ. अनुप मिश्रा ने एलुमनाई सेल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संवाद युवा अभियंताओं के लिए नए मार्ग खोलते हैं। उन्होंने कहा कि सशक्त इंस्टीट्यूट एलुमनाई रिलेशनशिप समय की आवश्यकता है, क्योंकि दोनों जीवन के हर पहलू में एक-दूसरे को पूरक करते हैं। कार्यक्रम का संचालन रिया सिंह ने किया। एलुमनाई सेल के प्रभारी प्रो. डॉ. नागेन्द्र त्रिपाठी, टीम सदस्य दिनेश भवानी और तुषार सक्सेना भी उपस्थित रहे। श्री बघेल का उद्बोधन में तकनीकी उत्कृष्टता ही नही बल्कि जीवन जीने की कला पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को अपनी यात्रा की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने भविष्य को दिशा देने वाला एक सशक्त और क्रियान्वित करने योग्य मार्गदर्शन प्रदान किया।

● आईआईटी एकेडमिक लीडर्स के लिए एक दिवसीय इनर मास्टरी रिट्रीट आयोजित

आप ही सबसे शक्तिशाली ऑपरेटिंग सिस्टम, इसलिए खुद को अपग्रेड करो, फैकल्टी ने सीखा तनाव से स्थिरता तक का सफर

भिलाई। भागदौड़, टारगेट, पेपर और प्रेशर के बीच शिक्षक भी इंसान है। उनकी मानसिक शांति के बिना क्लासरूम में ऊर्जा नहीं आ सकती। इसी सोच के साथ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भिलाई और ब्रह्माकुमारीज़ ने संयुक्त रूप से आईआईटी भिलाई परिसर में फैकल्टी सदस्यों और एकेडमिक लीडर्स के लिए एक दिवसीय इनर मास्टरी रिट्रीट आयोजित किया। यह रिट्रीट का आयोजन शिक्षकों के मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक विकास के जरिए उनके व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने के लिए किया गया था। साथ ही आंतरिक ऑपरेटिंग सिस्टम को अपग्रेड करना ही इस शिविर की थीम रही।

आध्यात्मिकता से ही आता है असली संतुलन

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने कहा कि पेशेवर जिम्मेदारियां निभाते हुए आंतरिक शक्ति, संतुलन और आत्म-नियंत्रण बनाए रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि धन कमाना और पेशेवर उत्कृष्टता जरूरी है, लेकिन सच्चा संतुलन खुद को जानने से ही मिलता है। आध्यात्मिकता ही शिक्षक को स्थिर रखती है।

कमिटमेंट सबसे बड़ी ताकत

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ भिलाई केंद्र की निदेशक राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने आशीर्वचन में कहा कि जीवन में प्रतिबद्धता सबसे

बड़ी ताकत है। उन्होंने बताया कि आध्यात्मिकता हमें सिखाती है कि हमारी आंतरिक स्थिति बाहरी परिस्थितियों से कहीं ज्यादा शक्तिशाली होती है। अगर मन स्थिर और उच्च अवस्था में हो तो हर चुनौती को खुशी-खुशी सफलता में बदला जा सकता है।

आत्म जागरुकता से अपने विचारों को करें अपडेट

सत्र उद्घाटन के बाद बीके बाला किशोर ने सबसे शक्तिशाली ऑपरेटिंग सिस्टम जिसे आपने कभी अपग्रेड किया है, वह आप स्वयं हैं विषय पर मुख्य भाषण दिया। उन्होंने उदाहरण देकर समझाया कि जैसे फोन कंप्यूटर को रेगुलर अपडेट चाहिए, वैसे ही इंसान को भी सकारात्मक मूल्य और आत्म-जागरूकता से अपने विचार, भावनाएं और निर्णय क्षमता को अपग्रेड करना चाहिए। प्रैक्टिकल डेमो और चिंतन के जरिए उन्होंने प्रतिभागियों को अपनी आंतरिक सीमाओं को सद्गुणों में बदलने का मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर डॉ मोहित गुप्ता ने आप अपनी किस्मत खुद बनाते हैं विषय पर ज्ञानवर्धक सत्र लिया। उन्होंने कहा कि व्यस्तता के बीच परिवार और खुद के लिए समय निकालना जरूरी है। ध्यान, सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन, टाइम मैनेजमेंट और आत्म-अनुशासन से शांतिपूर्ण, स्वस्थ और तनाव-मुक्त जीवन जिया जा सकता है। उन्होंने व्यावहारिक टिप्स भी साझा किए।

अदृश्य पाठ्यक्रम से छात्रों पर असर

बीके बाला किशोर का दूसरा सत्र अदृश्य पाठ्यक्रम पर रहा। उन्होंने बताया कि शिक्षक सिर्फ सिलेबस नहीं पढ़ाते। उनकी सकारात्मक ऊर्जा, मूल्य और आंतरिक शक्ति छात्रों पर सीधा असर डालती है। शिक्षक अपनी सकारात्मक ऊर्जा, मूल्यों और आंतरिक शक्ति का संचार करके शिक्षा के दायरे से बाहर भी छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव से रोल मॉडल बनकर बदलाव ला सकते हैं। समापन सत्र के दौरान, ब्रह्मा कुमारी प्राची ने सभी खास मेहमानों, वक्ताओं, फैकल्टी सदस्यों और प्रतिभागियों का उनके उत्साहपूर्ण सहयोग और भागीदारी के लिए दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी को एक नया नज़रिया अपनाने, सकारात्मक सोच विकसित करने और मूल्यों पर आधारित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, साथ ही उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान और आंतरिक उत्कृष्टता से भरी एक नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं।

लाइव इवेंट

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए किया सेवा कार्य, ब्रेल पेपर और स्टेशनरी देकर बांटी खुशियां

भिलाई। लाइनेस क्लब भिलाई मेन के द्वारा दिव्य ज्योति निःशुल्क अंध विद्यालय में एक भावानात्मक सेवा गतिविधि का आयोजन किया। इस सेवा कार्य के माध्यम से क्लब ने समाज के प्रति अपनी संवेदनशीलता एवं सेवा-समर्पण की भावना को साकार किया। इस अवसर पर क्लब की सदस्यों ने दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ब्रेल पेपर, खाद्य सामग्री तथा रसोई उपयोगी आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया। इसके साथ ही सदस्यों ने विद्यार्थियों एवं विद्यालय के स्टाफ के साथ समय बिताकर उनका उत्साहवर्धन किया तथा अपने स्नेह, अपनत्व और प्रेरणा से उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी।

यह सेवा पहल दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने, समावेशिता को बढ़ावा देने तथा मानवता एवं निस्वार्थ सेवा के मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास रही। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों के जीवन में खुशी का संचार किया और सेवा, करुणा तथा समर्पण के साथ जरूरतमंदों की सहायता करने के लायंस परिवार के संकल्प को और अधिक दृढ़ किया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रेविका बेदी के साथ डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट सचिव प्रशासनिक विभा भूटानी, रीजन ऑफिसर रश्मि लखोटिया और ऑल इंडिया प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर अंजना विनाइक विशेष रूप से उपस्थित रही।

कला मंदिर में संगीतमय संध्या कल

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा 24 जुलाई को महात्मा गांधी कला मंदिर में शाम 7:30 बजे से सुमन की आशा संगीतमय संध्या का आयोजन किया जाएगा। पार्श्वगायिकाओं आशा भोसले व सुमन कल्याणपुर के गीतों की प्रस्तुति होगी। इस अवसर पर अंचल की गायिकाएँ अंजलि शुक्ला, गौतमी चक्रवर्ती, सुमीता सरकार, अनुष्का पाण्डेय व सोमा कश्यप तथा प्रसिद्ध गायक चलपति राव व जगमोहन भी पार्श्वगायिकाओं गायिकाओं के फिल्मी गीतों को स्वर देंगे।

रीतेश का राष्ट्रीय स्तर रथ यात्रा शिविर संचालन दल में रही सहभागिता

दुर्ग। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के सुभाष ओपन रोवर क्रू के एडवांस रोवर रीतेश कुमार ताम्रकार का राष्ट्रीय स्तर के रथयात्रा सेवा शिविर के संचालन दल में चयन हुआ। यह शिविर 14 से 18 जुलाई तक विश्वविद्यालय, पुरी, ओडिशा में आयोजित किया गया था। यह चयन राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा एवं राज्य सचिव बृजेश कुमार बाजपेयी के दिशा-निर्देशानुसार हुआ है। जिला अध्यक्ष अशोक देशमुख, जिला मुख्य आयुक्त जीत यादव और जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला कमिश्नर अरविंद मिश्रा के मार्गदर्शन में दुर्ग जिले से रीतेश का नाम राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा अनुशंसित किया गया। रीतेश के चयन से स्काउट-गाइड परिवार और शुभचिंतकों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। जिला संगठन आयुक्त बालक दास राऊत ने बधाई दी।

सीमित साधनों के बावजूद खुशी और आस्था ने जीते कई पदक

भिलाई। सेंट थामस स्कूल में अध्यनरत छात्राएं खुशी चनपुरिया व आस्था चनपुरिया ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनके खेल व कला में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर उत्साहवर्धन किया। दोनों बहनें स्केटिंग में राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का अपने आयु वर्ग में सफल प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं व पेंटिंग कला के क्षेत्र में उनकी कई पेंटिंग को अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा मिली है। दोनों ने जूनियर वर्ग में सीमित साधनों के बावजूद अथक परिश्रम से अपने कोच अजीत बरार व राजेश बसक के मार्गदर्शन में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। मुलाकात के दौरान समाजसेवी प्रकाश गेडाम, बीएम चनपुरिया, मनोज मेश्राम भी शामिल थे। प्रकाश गेडाम ने मुख्यमंत्री से भिलाई को छत्तीसगढ़ का खेल गांव बनाने के लिए विशेष तरजीह देने की मांग की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेटियों को हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया तथा भिलाई में खेल व कला क्षेत्र के दक्ष प्रशिक्षण की सराहना करते हुए सुविधाओं को अधिक उन्नत करने का भरोसा दिलाया है ।

आयकर रिटर्न करदाता की पूरी वित्तीय स्थिति और विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण दस्तावेज

कार्नर न्यूज

कम टैक्स के चक्कर में अधूरी जानकारी के साथ न भरें आईटीआर रिटर्न ऐसा हो, जो समझाया जा सके दस्तावेजों के साथ

भिलाई। आयकर रिटर्न दाखिल करते समय केवल टैक्स कम करने पर ध्यान देना भविष्य में परेशानी का कारण बन सकता है। अधूरी जानकारी और गलत सलाह के आधार पर भरा गया रिटर्न बाद में नोटिस, ब्याज, पेनाल्टी और लंबे कर-विवाद की वजह बन सकता है। इसलिए करदाताओं को ऐसा रिटर्न दाखिल करना चाहिए, जिसकी प्रत्येक महत्वपूर्ण जानकारी को तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर वर्षों बाद भी समझाया जा सके। यह बात भिलाई सीए ब्रांच के पूर्व चेयरमैन एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए पीयूष जैन ने कही। उन्होंने बताया कि आयकर रिटर्न अब केवल सालभर की आय बताने वाला फॉर्म नहीं है, बल्कि यह करदाता की पूरी वित्तीय स्थिति और विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण रिकॉर्ड बन चुका है। सीए जैन ने कहा कि कई करदाता रिटर्न बनवाते समय अपने कंसल्टेंट को सभी बैंक खातों, नकद लेन-देन, निवेश, ऋण, प्रॉपर्टी खरीद, कैपिटल गेन और कृषि आय की पूरी जानकारी नहीं देते। कुछ मामलों में कंसल्टेंट भी उपलब्ध सीमित जानकारी के आधार पर जल्दबाजी में रिटर्न तैयार कर देता है। उस समय रिटर्न दाखिल हो जाता है, लेकिन बाद में अलग-अलग वित्तीय लेन-देन सामने आने पर उसे समझाना कठिन हो सकता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में आयकर विभाग को पैन, आधार, एआईस, फार्म 26 एएस, टीडीएस, टीसीएस, बैंकिंग प्रणाली, प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और अन्य रिपोर्टिंग संस्थाओं से वित्तीय लेन-देन की जानकारी मिलती रहती है। कोई लेन-देन वर्तमान एआईएस में दिखाई नहीं दे रहा है, इसका अर्थ यह नहीं है कि उसकी जानकारी भविष्य में विभाग तक नहीं पहुंचेगी।

44 एडी में केवल 6 या 8 प्रतिशत दिखाना पर्याप्त नहीं

सीए पीयूष जैन ने बताया कि छोटे व्यापारियों के लिए लागू सेक्शन 44 एडी का उद्देश्य अकाउंटिंग और ऑडिट संबंधी अनुपालन को आसान बनाना है। इसका अर्थ यह नहीं है कि केवल टर्नओवर पर 6 या 8 प्रतिशत लाभ दिखाकर रिटर्न दाखिल कर दिया जाए। रिटर्न तैयार करने से पहले बैंक में आए कुल क्रेडिट, नकद जमा, यूपीआई प्राप्तियां, जीएसटी टर्नओवर, बड़े निवेश, ऋण संबंधी लेन-देन, घरेलू खर्च और पूंजी की स्थिति का व्यापक मिलान आवश्यक है।

डॉक्टर और प्रोफेशनल भी बरतें सावधानी

उन्होंने सेक्शन 44 एडीए के अंतर्गत रिटर्न भरने वाले डॉक्टरों और अन्य प्रोफेशनल्स को भी सावधानी बरतने की सलाह दी। केवल ग्रॉस रिसीप्ट की 50 प्रतिशत आय घोषित कर देना हर स्थिति

में पर्याप्त नहीं होता। यदि किसी प्रोफेशनल ने उसी वर्ष म्यूचुअल फंड, एफडी, जमीन या अन्य संपत्तियों में बड़ा निवेश किया है, तो निवेश के स्रोत का उचित विवरण होना जरूरी है। पुराने निवेश, बचत, ऋण, उपहार या संपत्ति की बिक्री से धन प्राप्त हुआ हो सकता है, लेकिन उसका रिकॉर्ड उपलब्ध रहना चाहिए।

जमीन होना कृषि आय का प्रमाण नहीं

कृषि आय के संबंध में सीए जैन ने कहा कि केवल जमीन के क्षेत्रफल के आधार पर अनुमानित आय नहीं दर्शानी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि वास्तव में खेती हुई या नहीं, कौन-सी फसल ली गई, भूमि सिंचित थी या असिंचित, फसल कहां बेची गई और बिक्री अथवा बैंकिंग से संबंधित क्या प्रमाण उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कृषि आय खेत देखकर नहीं, खेती देखकर तय होती है।

एआईएस जानकारी देता है, अंतिम निर्णय नहीं

सीए जैन ने कहा कि एआईएस रिटर्न तैयार करने का महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन उसे अंतिम सत्य मानना भी गलत है। बोनस शेयर, विरासत में मिली संपत्ति, ऑफ-मार्केट ट्रांसफर, गिफ्ट, फैमिली सेटलमेंट, डिमर्जर, अमलगमेशन और पुराने मालिक की लागत जैसे मामलों में दस्तावेजों और कानूनी प्रावधानों की अलग से जांच आवश्यक होती है। उन्होंने कहा एआईएस डेटा देता है, लेकिन सही टैक्स ट्रीटमेंट का निर्णय दस्तावेजों और कानून के आधार पर लिया जाता है।

सिटी इवेंट

बच्चों में रचनात्मकता को बढ़ावा देने बांटे ड्राइंग कापी और कलर बाक्स

भिलाई। समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय संस्था दिशा ने दुर्ग के पोटिया स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में अध्ययन सामग्री और पौष्टिक खाद्य सामग्री का वितरण किया। इस आयोजन के माध्यम से संस्था ने न केवल बच्चों को उपयोगी शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई, बल्कि उनके भीतर छिपी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का भी प्रयास किया।

- ड्राइंग कॉपी और कलर बॉक्स पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे, दिशा संस्था की शिक्षा और रचनात्मकता को बढ़ावा देने पहल

बुधवार को आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्र के लगभग 40 बच्चों को ड्राइंग कॉपी, कलर बॉक्स तथा विभिन्न प्रकार के स्नैक्स वितरित किए गए। अध्ययन सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरे केंद्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। संस्था के सदस्यों ने बताया कि बचपन वह अवस्था होती है, जहां बच्चों की कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता सबसे अधिक विकसित होती है। इसी सोच के साथ बच्चों को चित्रांकन से जुड़ी सामग्री प्रदान की गई, ताकि वे अपनी कल्पनाओं और भावनाओं को रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त कर सकें। कार्यक्रम के दौरान संस्था के सदस्यों ने बच्चों के साथ समय बिताया, उनसे आत्मीय संवाद किया और उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। बच्चों को नियमित रूप से पढ़ाई करने, अपने सपनों को पहचानने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया गया। इस सेवा अभियान में दिशा की ओर से रामानुजन राजू, भास्कर देवनाथ, राजेश धारकर, सुजीत चक्रवर्ती, प्रदीप दास, उत्तम डे, देबाशीष मजूमदार, शांतनु दासगुप्ता, अजय दुबे, मोहन गिरी, एसके दशोरे और दुष्यंत तिवारी सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

निर्मल ज्ञान मंदिर कबीर आश्रम नेहरू नगर में पुस्तक विमोचन समारोह 24 को

भिलाई। लोक कला एवं साहित्य संस्थान सिरजन दुर्ग द्वारा 24 जुलाई को शाम 4 बजे निर्मल ज्ञान मंदिर, कबीर आश्रम नेहरू नगर भिलाई में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस अवसर पर विभिन्न चार साहित्यकारों के पुस्तकों में डॉ. डीपी देशमुख लिखित छत्तीसगढ़ी उपन्यास बड़े दाऊजी, डॉ. दीनदयाल साहू का छत्तीसगढ़ी उपन्यास सोनहा माटी और डॉ. गिरधर चंद्रा लिखित दो हिन्दी काव्य संग्रह अंतर्मन के शब्द और भावों की अभिव्यक्ति का विमोचन किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. संजय तिवारी कुलपति हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग रायपुर के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. परदेशी राम वर्मा, डॉ. दीनदयाल दिल्लीवार प्रभारी प्राचार्य शास. नवीन महाविद्यालय बेलोदी, जिला बालोद, साहित्यकार भिलाई डॉ. वेदवती मंडावी, डॉ. सुधीर शर्मा वरिष्ठ साहित्यकार रायपुर और निर्मल ज्ञान मंदिर के ट्रस्टी अध्यक्ष आत्मा राम साहू होंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सिरजन जिला दुर्ग अध्यक्ष लालजी साहू ने अधिक से अधिक कलाकारों, साहित्यकारों एवं समाजसेवियों को कार्यक्रम में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत कर कौशल विकास पर दिया जोर

भिलाई। नए सफर की शुरुआत में मार्गदर्शन जरूरी है। इसी सोच के साथ स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय, हुडको में नवप्रवेशित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के स्वागत एवं अभिमुखीकरण हेतु दीक्षा आरंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, विभिन्न संकायों, रोजगारोन्मुखी अवसरों और महाविद्यालय की उपलब्धियों से परिचित कराने के लिए किया गया था। नवप्रवेशित विद्यार्थियों और अभिभावकों को चंदन-कुमकुम तिलक लगाकर स्वागत, दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती वंदना कर शुरुआत की गई। महाविद्यालय की एनईपी प्रभारी डॉ. रजनी मुदलियार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रमुख प्रावधानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास और क्रेडिट प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के लाभ समझाए गए। प्राचार्य डॉ. हंसा शुक्ला ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि महाविद्यालय सिर्फ डिग्री देने वाला संस्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार और उत्कृष्ट नागरिक बनाने की पाठशाला है। डिग्री आपको रोजगार दिला सकती है, लेकिन आपकी वास्तविक पहचान आपके कौशल से बनती है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन के साथ कौशल विकास, नवाचार, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। अभिभावकों को विश्वास दिलाया कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।सभी ने विभागों की शैक्षणिक-सहशैक्षणिक गतिविधियों, परीक्षा परिणामों, प्लेसमेंट और उपलब्धियों की जानकारी दी। जनरल इलेक्टिव और वैल्यू एडेड कोर्स के चयन का महत्व भी बताया गया। विद्यार्थियों में स्वास्थ्य जागरूकता के लिए सीपीआर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डॉ. ज्ञानेश मिश्रा, प्रोफेसर, शिशु रोग विभाग शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने बताया कि हृदय गति या श्वास रुकने जैसी आपातकालीन स्थिति में समय पर दिया गया सीपीआर जीवन बचा सकता है।

● सत्तीचौरा मंदिर में आषाढ़ की गुप्त नवरात्र में 9 दिन चला विशेष अनुष्ठान

गुप्त नवरात्र में दस महाविद्याओं की अराधना कर किया अभिषेक और महाआरती, कन्या पूजन कर मांगा आशीर्वाद

भिलाई। आषाढ़ महीने की गुप्त नवरात्रि का समापन बुधवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ। श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर गंजपारा में 14 जुलाई से 22 जुलाई तक 9 दिवसीय विशेष आयोजन किया गया। नवमी के दिन माता का विधि-विधान से अभिषेक-आरती की गई और कन्या पूजन के साथ कन्या भोज कराया गया।

9 दिन चली अखंड ज्योति और विशेष पूजा

मंदिर परिसर में पूरे 9 दिन अखंड ज्योति कलश की स्थापना की गई। प्रतिदिन माता का विशेष श्रृंगार, अभिषेक और महाआरती की गई। मुख्य पुजारी पंडित सुनील पांडेय ने बताया कि हिंदू धर्म में मां दुर्गा का विशेष महत्व है। एक साल में 4 नवरात्रि आती हैं जिसमें 2 प्रकट और 2 गुप्त। चैत्र और शारदीय नवरात्रि सभी जानते हैं, वहीं माघ और आषाढ़ की नवरात्रि को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। इसमें मां दुर्गा की गुप्त रूप से पूजा की परंपरा है। जिसमें दस महाविद्याओं की आराधना होती है। पंडित ने बताया कि गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं में मां काली, तारा, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुरभैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी, कमला सहित देवी भागवत में गुप्त नवरात्र की पूजा का विधान है। ऋतु परिवर्तन के समय आने वाले इन चारों नवरात्रों में साधक अपनी मनोकामना के लिए देवी की साधना करते हैं। इसे सफलता से संपन्न करने पर जीवन की बाधाएं दूर होती हैं।

अष्टमी पर भैरव अष्टमी और हवन

समिति सदस्य मनीष सेन ने बताया कि मंगलवार अष्टमी को माता को भोग-प्रसाद चढ़ाया गया। शाम 7 बजे महाआरती और रात 8 बजे हवन-पूजन, पूर्णाहुति की गई। इसी दिन भैरव अष्टमी भी मनाई गई। मंदिर परिसर में भैरव बाबा की पूजा-अर्चना और भोग-प्रसादी वितरित की गई। नवमी पर अभिषेक और कन्या भोजआज नवमी के दिन सुबह 9 बजे मां दुर्गा का पूजन-अभिषेक किया गया। पंडित सुनील पांडेय ने औषधि, दूध, दही, गंगा जल, घी, पंचामृत, कुमकुम, चंदन से माता का अभिषेक किया। इसके बाद फूलों से अभिषेक कर विशेष श्रृंगार किया गया। दोपहर 12 बजे कन्या पूजन और कन्या भोज का आयोजन हुआ। शास्त्रों के अनुसार 2 साल की कन्या कुमारी, 3 साल त्रिमूर्ति, 4 साल कल्याणी, 5 साल रोहिणी, 6 साल कालिका, 7 साल चंडिका, 8 साल शांभवी, 9 साल दुर्गा और 10 साल की कन्या सुभद्रा मानी जाती है। मंदिर में 9 कन्या माताओं और 1 लंगूर रूपी बालक का पूजन किया गया। समिति की महिलाओं ने कन्याओं के पैर धोकर, तिलक लगाकर भोजन कराया। भोजन के बाद फल, चॉकलेट, बिस्किट, मिष्ठान और नगद राशि भेंट में दी गई। पैर छूकर सभी को विदा किया गया।

क्षेत्र का सबसे बड़ा कन्या भोज

मुख्य पुजारी ने बताया कि सत्तीचौरा मंदिर में प्रतिवर्ष 4 नवरात्रों में कन्या भोज होता है। यहां प्रदेश का सबसे बड़ा कन्या भोज भी आयोजित किया जाता है। नवरात्र में मंदिर की विशेष साज-सज्जा की गई और धर्मप्रेमियों ने घर से प्रसाद बनाकर वितरण किया। आयोजन में पार्षद कुलेश्वर साहू, प्रतिभा सुरेश गुप्ता, इंद्राणी साहू, नंदू रंजीता ब्राम्हणे, सुजल शर्मा, सोनल सेन, महेश गुप्ता, लक्ष्मी यादव, प्रकाश सिन्हा सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी उपस्थित थे।

सेक्टर-10 में सांस्कृतिक कार्यक्रम

गुण्डिचा मंडप में संगीत संध्या की धूम महाप्रभु ने राज-राजेश्वर वेश में दिए दर्शन

भिलाई। महाप्रभु जगन्नाथ का इन दिनों उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंडप में खूब आव भगत हो रही है। मौसी रोज महाप्रभु का विशेष श्रृंगार कर उनके पसंदीद भोजन का भोग भी लगा रहीं है। इसी क्रम में सेक्टर-10 के गुण्डिचा मंडप में रोज सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित होकर गीत संगीत का आनंद उठा रहे हैं। बुधवार को महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी ने राज-राजेश्वर वेश में दर्शन दिए।

रथयात्रा महोत्सव के तहत आयोजित संगीत संध्या में जय बजरंगी म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने भजन और भक्ति संगीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। संगीत कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से समा बांध दिया।

ज ग न्ना थ जगन्नाथ, चका नैन, वो निलाचल वाले, तू ना संभले तो, हमें कौन संभाले। इस भजन की प्रस्तुति ने भक्तों को नाचने और झूम के लिए मजबूर कर दिया। पूरा पंडाल झूम उठा। गायक गायिकाओं ने अपने गायन से दर्शकों को बांधे रखा। जगन्नाथ पर आधारित गीतों ने भक्तों को भाव विभोर कर दिया। उड़िया व हिंदी भजनों का उपस्थित दर्शकों ने लुत्फ उठाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एमएसएमई एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मिश्रा, समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सतपथी, महासचिव सत्यवान नायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों द्वारा गायक कलाकारों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा संस्था को प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया। श्री नायक ने रथयात्रा के अंतर्गत विभिन्न दिनों में होने वाले विविध आयोजनों जैसे बहुड़ा रथयात्रा व नीलाद्री विजय पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संयोजन त्रिनाथ साहू ने किया। इस उत्सव में जगन्नाथ समिति के पदाधिकारी त्रिनाथ साहू, भीम स्वांई, अनाम नाहक, डी त्रिनाथ, बसंत प्रधान, बीसी बिस्वाल, वृंदावन स्वांई, कालू बेहेरा, सुशांत सतपथी, जगन्नाथ पटनायक,रंजन महापात्र, प्रकाश स्वांई, राजू बेहेरा ,रवि स्वांई, कवि बिस्वाल, सीमांचल बेहरा,वी के होता, कैलाश पात्रो, बीस केशन साहू, श्याम दलाई ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुउपस्थित थे।

प्रयास संस्थान का आयोजन

यूनीफॉर्म, स्टेशनरी सामान पाकर बच्चों के खिले चेहरे

भिलाई। प्रयास श्रवण दिव्यांग संस्थान जी.ई. रोड सुपेला भिलाई में बुधवार को शाला प्रवेश उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चन्द्रशेखर गवई, पार्षद केशव प्रसाद चौबे मौजूद रहे। लायंस चेरीटेबल ट्रस्ट के सचिव विपिन बंसल ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति देकर बच्चों को प्रोत्साहित किया। शाला में नवीन प्रवेशित बच्चों का स्वागत तिलक लगाकर एवं फूल से किया गया। शाला परिवार की ओर से शाला के प्राचार्य डॉ. राजेश पाण्डेय ने शाला की जानकारी दी एवं अतिथियों का स्वागत नन्हें बच्चों के द्वारा बुके देकर कराया। इस उत्सव के उपलक्ष्य में सभी बच्चों को उपहार स्वरूप यूनीफार्म, स्टेशनरी सामान एवं स्वल्पाहार दिया गया। इस शुभ अवसर में शाला के समस्त कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति दी। कार्यक्रम के अंत में प्रयास श्रवण दिव्यांग संस्थान के सचिव विपिन बंसल ने अतिथियों का आभार व्यक्त कर बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की।

हेल्पलाइन-1091, डायल-112, अभिव्यक्ति ऐप और साइबर सुरक्षा के बारे में बताया

स्कूल से सड़क तक छात्राओं की सुरक्षा को मिली प्राथमिकता, डरना नहीं बताना है का दिया मंत्र

कार्नर न्यूज

भिलाई। स्कूल की घंटी बजे और छात्राएं घर से निकलें तो मां-बाप का दिल पहले पुलिस की गाड़ी ढूंढता है। इसी भरोसे को मजबूत करने दुर्ग पुलिस ने जिलेभर में पिंक पेट्रोलिंग अभियान तेज कर दिया है। यह अभियान महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण देने और अपराधों की रोकथाम करने के लिए चलाया जा रहा है। महिला पुलिस अधिकारी और पिंक पेट्रोलिंग टीम विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील मार्गों पर नियमित पेट्रोलिंग कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रही है। इस अभियान के दौरान बालिकाओं को डरना नहीं, बताना है का सुरक्षा मंत्र और महिला हेल्पलाइन-1091, डायल-112, अभिव्यक्ति ऐप और साइबर सुरक्षा के बारे में बताया गया।

स्कूल-कॉलेज में सुरक्षा संवाद

पिंक पेट्रोलिंग टीम ने जिले के विभिन्न स्कूलों में जाकर छात्राओं से सीधा संवाद किया। टीम ने छात्राओं को महिला हेल्पलाइन-1091, डायल-112, अभिव्यक्ति ऐप और साइबर सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही महिला सुरक्षा संबंधी कानूनी प्रावधानों को आसान भाषा में समझाया गया।छात्राओं को प्रेरित किया गया कि छेड़छाड़, पीछा करना या कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। डरना नहीं, बताना है - यही अभियान का मंत्र रहा। इस दौरान पंडित जवाहरलाल नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिंदी माध्यम, स्वामी आत्मानंद विद्यालय और श्रीराम चौक में पिंक पेट्रोलिंग की गई। छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर बताए गए और स्कूल आने-जाने के मार्गों पर घूमने वाले संदिग्ध तत्वों की जानकारी भी ली गई।

सुरक्षा उपायों की दी जानकारी

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुपेला और शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुपेला में छात्र-छात्राओं को अभिव्यक्ति ऐप डाउनलोड कराया गया। महिला हेल्पलाइन और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला पुलगांव में छात्राओं और शिक्षकों को अभिव्यक्ति ऐप के फायदे बताए गए। पिंक पेट्रोलिंग के उद्देश्य को विस्तार से समझाया गया। थाना भिलाई नगर के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल कैंप-2, केपीएस स्कूल, मरौदा टैंक स्कूल, शास्त्री कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, भिलाई भट्ठी पार्क और डीएवी पब्लिक स्कूल सहित कई स्थानों पर पेट्रोलिंग हुई। छात्राओं, अभिभावकों और आम नागरिकों को महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के टिप्स दिए गए। पुलिस टीमों ने विद्यालय परिसरों के साथ-साथ छात्राओं के आवागमन मार्गों का भी निरीक्षण किया। इस अभियान में संबंधित थाना प्रभारियों, महिला उप निरीक्षकों, पिंक पेट्रोलिंग टीम और थाना स्टाफ की सक्रिय भूमिका रही। सभी टीमों ने विद्यालयों में पहुंचकर महिलाओं और छात्राओं से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का विश्वास दिलाया। दुर्ग पुलिस ने सभी महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं और अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि छेड़छाड़, पीछा, साइबर अपराध या कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तत्काल डायल-112, महिला हेल्पलाइन-1091 या निकटतम थाना को सूचना दें। अभिव्यक्ति ऐप का अधिक से अधिक उपयोग करें। सुरक्षित समाज बनाने में पुलिस का सहयोग करें। पिंक पेट्रोलिंग के जरिए दुर्ग पुलिस ने संदेश देते हुए कहा कि बेटियां सुरक्षित तो समाज सुरक्षित रहेगा।

हेल्थ टिप्स

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का संकेत सिर्फ सीने में दर्द ही नहीं दिखते हैं और भी लक्षण

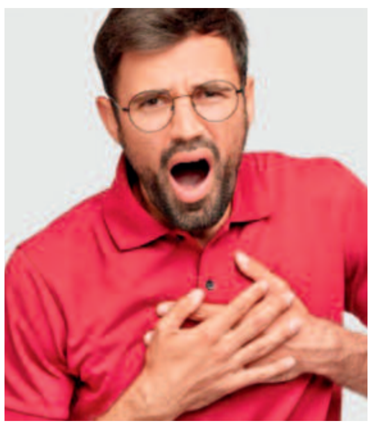

हाई कोलेस्ट्रॉल एक गंभीर समस्या है, जो अक्सर बिना किसी बड़े लक्षणों के बढ़ती है और हृदय रोग का खतरा बढ़ाती है। लेकिन फिर भी जब कोलेस्ट्रॉल लेवल शरीर में बढ़ता है तो कुछ लक्षण दिखते हैं, आइए जानते हैं।

हाई कोलेस्ट्रॉल एक ऐसी खामोश स्वास्थ्य समस्या है जो अक्सर बिना किसी बड़े लक्षण के बढ़ती रहती है। इसे 'साइलेंट किलर' के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि इसके शुरुआती चरणों में कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिखते। हालांकि जब शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत ज्यादा बढ़ जाती है और यह धमनियों में प्लाक के रूप में जमा होने लगता है, तो यह धमनियों को संकरा कर देता है, जिससे रक्त प्रवाह बाधित होता है।

ऐसे में, हृदय रोग, हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। जब लक्षण दिखने शुरू होते हैं, तो वे अक्सर इस बात का संकेत होते हैं कि समस्या गंभीर हो चुकी है और तुरंत चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है। इसके आम लक्षणों की बात की जाए तो सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ होने के बारे में ज्यादातर लोगों को मालूम है। आइए इस लेख में इन लक्षणों के चार ऐसे प्रमुख लक्षणों के बारे में जानते हैं, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के प्रमुख लक्षण हैं।

सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ

रक्त वाहिकाओं में कोलेस्ट्रॉल के जमाव से

धमनियां कठोर और संकरी हो जाती हैं, जिससे हृदय तक पर्याप्त ऑक्सीजन-युक्त रक्त नहीं पहुंच पाता। इस स्थिति को एथेरोस्क्लेरोसिस कहते हैं। जब यह धमनियां संकरी होती हैं, तो व्यक्ति को गतिविधि या तनाव के दौरान सीने में दर्द का अनुभव हो सकता है। यह दर्द अक्सर भारीपन, दबाव या जकड़न के रूप में महसूस होता है। रक्त प्रवाह में कमी के कारण शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती, जिससे सांस लेने में तकलीफ भी महसूस हो सकती है।

पैरों में दर्द या सुन्नपन

जब शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाता है तो सिर्फ हृदय की धमनियों को ही नहीं, बल्कि पैरों और अन्य अंगों की धमनियों को भी प्रभावित करता है, तो इसे पेरिफेरल आर्टरी डिजीज कहते हैं। इसके कारण पैरों में, खासकर चलने या व्यायाम करते समय, दर्द, ऐंठन, भारीपन या सुन्नपन महसूस हो सकता है। आराम करने पर यह दर्द अक्सर कम हो जाता है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आपके शरीर में रक्त प्रवाह बाधित हो रहा है।

थकान या कमजोरी

शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण धमनियों में रुकावट आने से कोशिकाओं और मांसपेशियों तक पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं पहुंच पाते हैं। इस कारण बिना किसी स्पष्ट वजह के लगातार थकान या सामान्य कमजोरी महसूस हो सकती है। यह शरीर की ऊर्जा को प्रभावित करता है और दैनिक गतिविधियों को भी मुश्किल बना सकता है।

आंखों के पास या पलकों पर पीले धब्बे

उच्च कोलेस्ट्रॉल का एक और दृश्यमान संकेत आंखों के पास या पलकों पर दिखाई देने वाले पीले या नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। ये वास्तव में फैट के जमाव होते हैं, जो सीधे तौर पर शरीर में उच्च कोलेस्ट्रॉल के स्तर का संकेत देते हैं। ये धब्बे आमतौर पर दर्द रहित होते हैं, लेकिन ये एक महत्वपूर्ण चेतावनी हो सकते हैं।

ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने नई कोशिका-मृत्यु प्रक्रिया की पहचान की

अल्जाइमर पर काबू पाने जगी नई उम्मीद, ब्रेन सेल्स को मारने वाले 'विषैले प्रोटीन' का खुला राज

ब्रिटेन के किंग्स कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने एक नई कोशिका-मृत्यु प्रक्रिया की पहचान की है, जिसे 'कैरियोप्टोसिस नाम दिया गया है। हमारे दिमाग की अरबों तंत्रिका कोशिकाएं (न्यूरॉन्स) हर पल यादों को संजोने, सोचने-समझने, फैसले लेने और शरीर को नियंत्रित करने का काम कर रही हैं। लेकिन अगर इन्हीं कोशिकाओं के भीतर धीरे-धीरे ऐसे विषैले प्रोटीन जमा होने लगें, जो अंततः उन्हें अंदर से खत्म कर दें, तो क्या होगा? यही प्रक्रिया अल्जाइमर, फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया (एफटीडी) और एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस) जैसी गंभीर न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों की सबसे बड़ी पहेली बनी हुई थी।

वैज्ञानिक लंबे समय से जानते थे कि इन बीमारियों में मस्तिष्क की कोशिकाओं में जहरीले प्रोटीन जमा होते हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि ये प्रोटीन आखिर तंत्रिका कोशिकाओं को किस तरह डैमेज करके नष्ट कर देते हैं?

अब इस रहस्य की एक महत्वपूर्ण कड़ी वैज्ञानिकों के हाथ लगी है। ब्रिटेन के किंग्स कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने एक नई कोशिका-मृत्यु प्रक्रिया की पहचान की है, जिसे 'कैरियोप्टोसिस नाम दिया गया है। शोध के अनुसार, यह प्रक्रिया तब

शुरू होती है जब विषैले प्रोटीन तंत्रिका कोशिका के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से यानी उसके नाभिक (न्यूक्लियस) पर हमला करते हैं। नाभिक के नष्ट होने के साथ ही कोशिकाएं अपनी सामान्य कार्यप्रणाली खो देती है और अंततः डेड होने लग जाती हैं।

न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के इलाज में होगी आसानी

नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित यह अध्ययन करीब दस वर्षों की लगातार रिसर्च का नतीजा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि इस नई प्रक्रिया को दवाओं के जरिए रोका

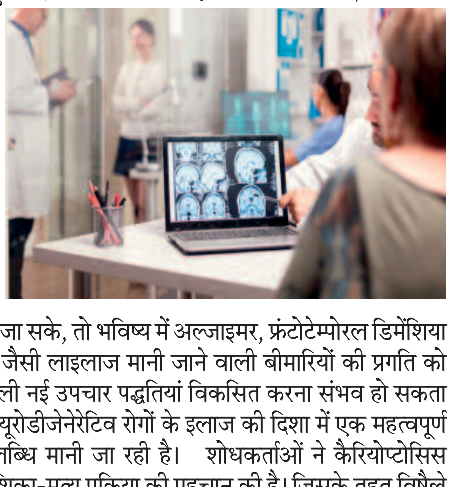

या धीमा किया जा सके, तो भविष्य में अल्जाइमर, फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया और एएलएस जैसी लाइलाज मानी जाने वाली बीमारियों की प्रगति को धीमा करने वाली नई उपचार पद्धतियां विकसित करना संभव हो सकता है। यह खोज न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के इलाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि मानी जा रही है। शोधकर्ताओं ने कैरियोप्टोसिस नामक नई कोशिका-मृत्यु प्रक्रिया की पहचान की है। जिसके तहत विषैले प्रोटीन कोशिका के नाभिक को नष्ट कर देते हैं और अंततः तंत्रिका कोशिकाएं डेड होने लगती हैं।

अब तक वैज्ञानिक जानते थे कि अल्जाइमर, फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया और एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस) जैसी बीमारियों में मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं के भीतर विषैले प्रोटीन जमा होते हैं, लेकिन ये प्रोटीन आखिर कोशिकाओं को किस तरह नष्ट करते हैं, इसका स्पष्ट उत्तर नहीं मिल पाया था।

समझ में आएगी बीमारी की जैविक प्रक्रिया

नई खोज ने इस महत्वपूर्ण कड़ी से पर्दा उठाया है और

बीमारी की जैविक प्रक्रिया को समझने में नई दिशा दी है।शोध के अनुसार जब तंत्रिका कोशिकाओं के भीतर विषैले प्रोटीन लगातार जमा होने लगते हैं तो वे कैरियोप्टोसिस नामक रासायनिक प्रक्रिया को सक्रिय कर देते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान कोशिका का नाभिक, जिसमें उसकी पूरी आनुवंशिक जानकारी सुरक्षित रहती है, धीरे-धीरे सिकुड़ने लगता है। इसके बाद नाभिक की बाहरी झिल्ली कमजोर होकर टूट जाती है और अंततः पूरी कोशिका नष्ट हो जाती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अल्जाइमर और फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया में बड़ी संख्या में न्यूरॉन की मौत के पीछे यही प्रक्रिया एक प्रमुख कारण हो सकती है।

वास्तु के प्रभावशाली चिन्ह घर में लाते हैं सुख-समृद्धि

वास्तु के अनुसार यदि घर में कुछ प्रभावशाली चिन्ह को रखा जाए, तो घर में सुख-समृद्धि वास करती हैं। साथ ही बरकत और खुशहाली पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

ओमः

ॐ अनहद नाद का प्रतीक है। ब्रह्मांड में इसी तरह का नाद लगातार गूंज रहा है। ॐ शब्द तीन ध्वनियों से बना हुआ है- अ, उ, म इन तीनों ध्वनियों का अर्थ उपनिषद में भी आता है। भूः लोक, भुवः लोक और स्वर्ग लोक का प्रतीक है। यह धर्म में हमारी आस्था को बढ़ाता है।

पंचसूलक

हल्दी के हाथ की छाप को पंचसूलक कहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह नकारात्मक शक्तियों को बाहर ही रोक देता है। मुख्य प्रवेश द्वार पर लगी पंचसूलक की छाप सुख, शांति, समृद्धि और शुभता लाती है। स्वस्तिक शब्द को 'सु' और 'अस्ति' दोनों से मिलकर बना है। 'सु' का अर्थ है शुभ और 'आस्तिक' का अर्थ है होना यानी जिससे 'शुभ हो', 'कल्याण हो' वही स्वस्तिक है।

स्वास्तिक

स्वस्तिक शब्द को 'सु' और 'अस्ति' दोनों से मिलकर बना है। 'सु' का अर्थ है शुभ और 'आस्तिक' का अर्थ है होना यानी जिससे 'शुभ हो', 'कल्याण हो' वही स्वस्तिक है। द्वार पर और उसके बाहर आसपास की दोनों दीवारों पर स्वास्तिक का चिन्ह लगाने से वास्तुदोष दूर होता है और शुभ मंगल होता है। इससे

दरिद्रता का नाश होता है।

कमल

हिन्दू पुराणों के अनुसार कमल के फूल की उत्पत्ति भगवान विष्णु जी की नाभि से हुई है और कमल के फूल से ब्रह्माजी की उत्पत्ति मानी जाती है। कमल के पुष्प को ब्रह्मा, लक्ष्मी तथा सरस्वती जी ने अपना आसन बनाया है। कमल का फूल जल से उत्पन्न होकर कीचड़ में खिलता है परंतु वह दोनों से निर्लिप्त रहकर पवित्र जीवन जीने की प्रेरणा देता है। कहते हैं कि कमल के फूल की ही तरह सृष्टि और इस ब्रह्मांड की रचना हुई है और यह ब्रह्मांड इसी फूल की तरह है। मंदिरों के गुंबद और स्तंभों पर कमल की आकृति बनाई जाती है। यह शुभता और समृद्धि का प्रतीक है।

त्रिशूल

त्रिशूल 3 प्रकार के कष्टों दैनिक, दैविक, भौतिक के विनाश का सूचक भी है। यह महाकालेश्वर के 3 कालों (वर्तमान, भूत, भविष्य) का प्रतीक भी है। यह बुरी शक्तियों को रोकता है। समुद्र मंथन के दौरान अंत में भगवान धन्वंतरि देव अमृत से भरा कलश लेकर निकले थे। यह कलश उसी का प्रतीक है।

फेंगशुई अनुसार अपने ऑफिस में इन्हें जरूर रखें

वास्तु शास्त्र और फेंगशुई दोनों में कार्यस्थल पर सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए कुछ विशिष्ट वस्तुओं को रखने की सलाह दी गई है। ये न केवल मानसिक ऊर्जा को बढ़ाती हैं, बल्कि तरक्की के द्वार भी खोलती हैं।

व्यवसाय में सफलता और आर्थिक उन्नति केवल मेहनत और रणनीति से ही नहीं, बल्कि कार्यस्थल की ऊर्जा से भी प्रभावित होती है। वास्तुशास्त्र और फेंगशुई दोनों में कार्यस्थल पर सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए कुछ विशिष्ट वस्तुओं को रखने की सलाह दी गई है। ये न केवल मानसिक ऊर्जा को बढ़ाती हैं, बल्कि तरक्की के द्वार भी खोलती हैं। आइए जानें ऐसी पांच वस्तुओं के बारे में जो ऑफिस में आकर्षक तरीके से सजाकर रखने से आकर्षण भी बढ़ेगा और सफलता भी।

क्रिस्टल ग्लोब

एक सुंदर आकर्षक क्रिस्टल ग्लोब को ऑफिस की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। यह व्यापारिक सोच को वैश्विक दृष्टिकोण देता है और नए अवसरों की ओर संकेत करता है। यह निर्णय क्षमता को मजबूत करता है और विदेश से जुड़े व्यवसाय में विशेष लाभ प्रदान करता है।

गोल्डन मनी ट्री

गोल्डन रंग का मनी ट्री आजकल बहुत सजावटी रूप में उपलब्ध है। इसे ऑफिस की दक्षिण-पूर्व दिशा में रखें। यह वृक्ष धनागमन की प्रतीकात्मक ऊर्जा को सक्रिय करता है। फेंगशुई के अनुसार यह आय के स्रोत बढ़ाता है और खर्चों पर नियंत्रण लाता है।

बाजार में बिकने वाले 'हेल्दी फूड्स' लीजिए सोच समझकर

बाजार में ऐसी कई चीजें मिलती हैं, जिसे हेल्दी बताकर बेचा जाता है। अक्सर ये पैकेट में बिकने वाले खाद्य पदार्थ जिनके लेबल पर हेल्दी होने का दावा किया जाता है, वो अनहेल्दी होते हैं। आइए इस लेख में ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में जानते हैं। आजकल हर कोई स्वस्थ रहना चाहता है, और इसके लिए हम अक्सर बाजार में मिलने वाले उन खाद्य पदार्थों की ओर आकर्षित होते हैं जिन पर 'हेल्दी', 'नैचुरल' या 'ऑर्गेनिक' का लेबल लगा होता है। मार्केटिंग कंपनियां हमें विश्वास दिलाती हैं कि ये उत्पाद हमारी सेहत के लिए वरदान हैं। लेकिन, सच्चाई अक्सर इस दावे से कोसों दूर होती है। कई बार, ये तथाकथित 'हेल्दी फूड्स' वास्तव में छिपी हुई चीनी, कृत्रिम सामग्री, अनहेल्दी फैट और अत्यधिक प्रोसेसिंग के कारण हमारी सेहत

को फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में, यह समझना बेहद जरूरी है कि कौन से खाद्य पदार्थ 'स्वस्थ' होने का दिखावा करते हैं, लेकिन वास्तव में हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

डाइट सोडा

डाइट सोडा को अक्सर चीनी-मुक्त और शून्य-कैलोरी पेय के रूप में प्रचारित किया जाता है, जिससे यह वजन घटाने वालों के लिए एक स्वस्थ विकल्प लगता है। हालांकि इसमें कैलोरी नहीं होती, लेकिन इसमें कृत्रिम मिठास का उपयोग होता है। शोध बताते हैं कि ये कृत्रिम मिठास आंत के माइक्रोबायोम (पेट के अच्छे बैक्टीरिया) के संतुलन को भी बिगाड़ सकती हैं। कुछ अध्ययनों ने इन्हें वजन बढ़ने, टाइप 2 डायबिटीज और मेटाबॉलिक सिंड्रोम के बढ़ते जोखिम से भी जोड़ा है। इसके अलावा इसकी हाई एसिडिक नेचर दांतों के इनेमल को भी नुकसान पहुंचा सकती है।

बोतल बंद जूस

बोतल बंद जूस को अक्सर फलों से मिलने वाले विटामिन का एक आसान तरीका माना जाता है। हालांकि इनमें कुछ विटामिन हो सकते हैं, लेकिन प्रोसेसिंग के दौरान इनमें से फाइबर पूरी तरह से निकल जाता है। फाइबर के बिना फलों में मौजूद प्राकृतिक चीनी (फ्रुक्टोज) बहुत तेजी से ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाती है, जो कि पूरे फल खाने पर नहीं होता। कुछ ब्रांडों में तो अतिरिक्त चीनी भी मिलाई जाती है। जूस पीने से पेट भी उतनी देर भरा हुआ महसूस नहीं होता जितना पूरा फल खाने से होता है, जिससे आप ज्यादा कैलोरी का सेवन कर सकते हैं। ताजे, साबुत फल खाना हमेशा बोतल बंद जूस से बेहतर विकल्प है।

एनर्जी बार्स

एनर्जी बार्स को अक्सर एक स्वस्थ स्नैक्स विकल्प के रूप में देखा जाता है, खासकर व्यस्त लोगों या कसरत के बाद के लिए। लेकिन, अगर आप इनके पोषण लेबल को ध्यान से पढ़ें, तो पाएंगे कि इनमें से कई एनर्जी बार में अत्यधिक मात्रा में चीनी (कॉर्न सिरप, ग्लूकोज सिरप, या यहां तक कि शहद भी बड़ी मात्रा में) और हेल्दी फैट छिपी होती है।

कार्नर न्यूज

इस साल 26 जुलाई को है पैरेंट्स डे, कर लें जरूरी तैयारियां

अपने परिजनों के लिए बना दें पेरेंट्स डे को यादगार, कुछ इमोशनल और असरदार तरीकों से, मिलेगी भरपूर खुशियां

मां-बाप से बड़ा कोई रिश्ता नहीं होता है। हर इंसान की जिंदगी में माता-पिता सबसे पहला और सबसे मजबूत सहारा होते हैं। वो चुपचाप आपके लिए सब कुछ करते हैं, बिना कुछ मांगे, बिना थके। ऐसे में एक दिन अगर सिर्फ उनके नाम हो, तो क्या आप नहीं चाहेंगे कि वो दिन उनके लिए कुछ खास हो? हर साल जुलाई के चौथे रविवार को अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में नेशनल पेरेंट्स डे मनाया जाता है। भारत में भी इस दिन को माता-पिता के प्रति आभार जताने और उनके बलिदानों को याद करने के लिए सेलिब्रेट किया जाता है। इस साल 26 जुलाई को पेरेंट्स डे मनाया जाएगा । पेरेंट्स डे को खास बनाने कुछ आसान और दिल से जुड़े तरीके आपके लिए।

भावना से जुड़ा खास तोहफा

कभी-कभी सबसे खूबसूरत गिफ्ट वह होता है जो खुद से बनाया गया हो। तोहफे से ज्यादा भावना मायने रखती है। इसलिए गिफ्ट ऐसा हो जो आपकी भावनाओं की अभिव्यक्ति करें। फिर चाहे वो एक छोटा सा कार्ड हो, उनके लिए तैयार किया गया मनपसंद खाना हो या बचपन की कोई पुरानी फोटो को

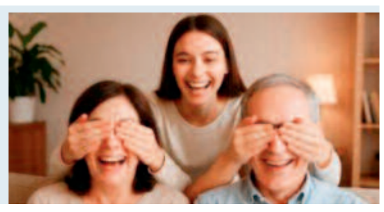

फ्रेम कर देना हो। इससे उन्हें महसूस होगा कि आप सच में उन्हें याद करते हैं।

उनकी पसंद को समझें

माता-पिता ये भलीभाति जानते हैं कि उनके बच्चे को क्या पसंद है और क्या नहीं। अभिभावक अपने बच्चों की पसंद को ही अपना बना लेते हैं और खुद की पसंद-नापसंद को नजरअंदाज करते हैं। बच्चों को ये जानना चाहिए कि उनके अभिभावक को क्या पसंद है। अपने हाथों से उनका मनपसंद खाना बनाकर उन्हें सरप्राइज कर सकते हैं। अगर वह किसी जगह को घूमने की ख्वाहिश रखते हैं तो इस दिन उन्हें यहां ले जाएं ताकि उनकी इच्छा पूरी हो सके।

संघर्ष और बलिदानों को स्वीकारें

माता-पिता बच्चे को एक अच्छी जीवन और भविष्य देने के लिए कई त्याग करते हैं। अपनी पसंद, शौक और सपनों को छोड़ देते हैं। बच्चों द्वारा उनके संघर्ष और बलिदान को याद करना और स्वीकार करना माता-पिता के लिए किसी सम्मान से कम नहीं होता। इस दिन के लिए एक छोटा सा वीडियो बनाएं जिसमें उनके जीवन के संघर्ष, परवरिश और उनके प्यार के लिए शुक्रिया अदा किया जाए। या फिर एक इमोशनल लेटर लिखें, जो उन्हें आपकी भावनाओं से जोड़ दे।

सेहत का रखें ख्याल

माता-पिता अपने बच्चों की स्वास्थ्य की फिक्र तब से करने लगते हैं जब वह भ्रूण में होते हैं। बड़े होते बच्चों की सेहत का ध्यान रखते-रखते माता-पिता खुद के स्वास्थ्य की परवाह करना ही भूल जाते हैं। बच्चों का फर्ज है कि वह भी अपने माता-पिता की सेहत का ख्याल रखें। पेरेंट्स डे पर आप उनके लिए एक हेल्थ चेकअप पैकेज बुक कर

सकते हैं या उन्हें योग क्लास या वॉक पर जाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। आप उनके साथ हेल्दी खाना खाएं और उन्हें मोटिवेट करें।

वक्त दें

माता-पिता को अपने बच्चों से सिर्फ उनका वक्त चाहिए होता है। आज की व्यस्त जीवनशैली में लोगों के पास अपने माता-पिता से बात करने का भी वक्त नहीं होता है। अगर आपके माता-पिता दादा-दादी या नाना-नानी बन गए हैं तो वह आपके वक्त के अलावा अपने पोते-पोतियों का भी साथ चाहते हैं। उनके लिए बच्चों के साथ बिताया गया समय सबसे बड़ा तोहफा होता है। इसलिए पेरेंट्स डे पर फैमिली आउटिंग पर जाएं या घर पर ही गेम नाइट रखिए, जिसमें सब मिलकर हंसी-खुशी समय बिताएं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

जारी हुआ क्रूज की नई फिल्म का वीडियो, फुटबॉल के दिग्गजों को दी है श्रद्धांजलि

मेकर्स ने 'डिगर' का एक प्रमोशनल वीडियो जारी किया है। इसमें उन्होंने फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ियों पेले, माराडोना, क्रिस्टियानो और मेसी का नाम लिया है। टॉम क्रूज की अपकमिंग फिल्म 'डिगर' के मेकर्स ने एक नया प्रमोशनल वीडियो जारी किया है। इसमें एक्टर अपने किरदार डिगर रॉकवेल के रूप में नजर आ रहे हैं। यह वीडियो न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्लोजिंग सेरेमनी में क्रूज के शामिल होने से पहले आया है। शेयर किए गए इस वीडियो में क्रूज डिगर रॉकवेल के रूप में दिखते हैं और फुटबॉल के कुछ सबसे बड़े नामों जैसे पेले, डिएगो माराडोना, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी का जिक्र करते हुए एक पैगाम देते हैं। वीडियो में क्रूज यानी डिगर रॉकवेल कहते हैं, 'क्या आप जानना चाहते हैं कि एक लीजेंड को बाकी लोगों से क्या अलग बनाता है? यह किस्मत नहीं है। यह रफ्तार भी नहीं है। हां, यह कंट्रोल है। महान खिलाड़ी पेले, माराडोना, क्रिस्टियानो, मेसी... वे गेंद के पीछे भागते नहीं हैं। गेंद उनकी बात मानती है।' वे आगे कहते हैं 'मेरे लिए, यानी डिगर के लिए, मैं बहुत बड़ी गेंद के साथ खेलता हूं और मैं सिर्फ जीतने के लिए नहीं, बल्कि दबदबा बनाने के लिए खेलता हूं। देखिए हम लीजेंड्स आपको कुछ भी यकीन दिला सकते हैं।' एलेजांद्रो जी इनारितु के निर्देशन में बनी 'डिगर' एक कॉमेडी फिल्म है। इसमें क्रूज डिगर रॉकवेल की भूमिका में हैं, जो एक तेल कारोबारी है। यह फिल्म दो अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टॉलीवुड

शूटिंग के दौरान लगी बालकृष्ण को चोट, जूनियर एनटीआर ने जताई चिंता

साउथ के अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण को एक फिल्म की शूटिंग के दौरान पैर में चोट लग गई है। अभिनेता जूनियर एनटीआर ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। अनुभवी अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण काकीनाडा में अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए एक्शन सीक्वेंस फिल्माते समय जख्मी हो गए हैं। अभिनेता फिल्म 'एनबीके111' के लिए काकीनाडा बंदरगाह क्षेत्र में एक लड़ाई के दृश्य की शूटिंग कर रहे थे। उन्हें पैर में चोट लगी है। हादसे के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनके पैर का इलाज शुरू किया।

डॉक्टरों ने बालकृष्ण को छोटी सी सर्जरी कराने की सलाह दी है। उम्मीद की जा रही है कि अभिनेता कुछ हफ्तों के लिए आराम कर सकते हैं। नंदमुरी बालकृष्ण को चोट लगने की खबर सामने आते ही अभिनेता जूनियर एनटीआर ने एक्स पर लिखा 'बाला बाबाई, जल्द ही ठीक हो जाओ। तुम्हारे शीघ्र स्वस्थ होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। मैं तुम्हें पूर्ण रूप में वापस दहाड़ते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं।' फिल्म के निर्माताओं ने भी सोशल मीडिया पर एक बयान के जरिए अभिनेता को चोट लगने की पुष्टि की है।

बयान में कहा गया 'काकीनाडा में एनबीके111 के लिए एक एक्शन सीक्वेंस के फिल्मांकन के दौरान, नंदमुरी बालकृष्ण गारू की मांसपेशियों में मामूली चोट आ गई। मेडिकल टीम की सलाह के अनुसार, वह तेजी से ठीक होने के लिए एक छोटी सर्जरी प्रक्रिया से गुजरेंगे।' बयान में आगे कहा गया 'सिनेमा के प्रति उनका अटूट समर्पण, अनुशासन और जुनून एनबीके 111 के सेट पर सभी को प्रेरित करता है। प्रक्रिया नियमित है और चिंता की कोई बात नहीं है।

भोजपुरी

'लॉक अप 2' में छलका आकांक्षा का दर्द, गौरव की पत्नी होने पर कही बड़ी बात

'लॉक अप 2' में आकांक्षा चमोला अब सेफ हो गई हैं। हालांकि इस बार उन्होंने अपने और गौरव खन्ना के रिश्ते और तलाक को लेकर कई बातें कही और गलत समझने पर अपना दर्द बयां किया।

रियलिटी शो 'लॉक अप 2' अब अपने चौथे हफ्ते में पहुंच गया है। शो के कंटेस्टेंट्स ने 3 हफ्तों का सफर पूरा कर लिया है और शो अब भी दिलचस्प बना हुआ है। इसी बीच आकांक्षा चमोला एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में शो के टास्क के बाद वो खतरे में थी और बाहर जाने वाली थी। लेकिन उनके सच बोलने की वजह से उन्हें इस हफ्ते सेफ कर दिया गया है, जिसके बाद उन्होंने जनता के सामने खुलकर अपनी बात रखी। शो के तीसरे हफ्ते के आखिर में एक्टर अर्जुन कपूर जजमेंट डे पर 'जनता की आवाज' बनकर पहुंचे। इस बार आकांक्षा चमोला, सूफी, योगेश, हर्षद और शिवांगी खतरे में थे। वहीं फराह खान और रितेश देशमुख के पास किसी एक कैदी को सेफ करने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने आकांक्षा चमोला को सच बोलने की वजह से बचा लिया और आगे के लिए उनका हौसला बढ़ाया। इसी बीच आकांक्षा ने इमोशनल होकर कहा, 'आपका बहुत धन्यवाद। आप लोगों से ये रिस्पेक्ट और भरोसा मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। कुछ महीनों में पूरे देश ने मुझे गलत समझा, क्योंकि मैं किसी की पत्नी हूं। लोगों ने मुझे और मेरे बिहेवियर को उसी नजर से देखा।

जेंडर से परे

फैशन उद्योग इस सांस्कृतिक दौर में उभरती पहचान की राजनीति से जूझ रहा है, ऐसे में एजेंडर और अनजेंडर जैसे शब्दों का प्रचलन बढ़ गया है। पिछले पांच सालों में, उद्योग ने इन शब्दों का इस्तेमाल एक ही अर्थ में किया है। ये शब्द उभयलिंगी परिधानों (मुख्य रूप से महिलाओं के लिए), यूनिसेक्स शैलियों (अक्सर सादे, एक जैसे पुरुष-महिला परिधानों के सेट) और कुछ हद तक स्पष्ट क्रॉस-ड्रेसिंग (जिसका पुरुषों के लिए फैशन जगत में बहुत कम प्रभाव रहा है) के लिए व्यापक रूप से प्रयोग किए जाते हैं।

लाइफ स्टाइल

चाहती हैं नेचुरल ग्लो तो घर पर बनाएं जादुई फेस पैक

सावन का महीना बस कुछ ही दिनों बाद 30 जुलाई से शुरू होने वाला है। इस दौरान महिलाएं पारंपरिक परिधानों में खूब सजती और संवरती हैं। वैसे तो महिलाएं किसी भी त्योहार से पहले पार्लर जाकर स्किन केयर कराती हैं, लेकिन कई बार ऐसा कराना संभव नहीं हो पाता, इसलिए अगर आप भी घर पर ही खूबसूरत और दमकती त्वचा चाहती हैं, तो इन घरेलू फेस पैक्स को जरूर आजमाएं। ये फेस पैक न सिर्फ आपकी त्वचा को चमकदार बनाएंगे, बल्कि उसे प्राकृतिक रूप से पोषण भी देंगे।

बेसन और हल्दी फेस पैक

इस फेस पैक को बनाने के लिए आपको 2 चम्मच बेसन, 1 चुटकी हल्दी और 1 चम्मच दही या गुलाब जल की जरूरत पड़ेगी। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले तो सभी चीजों को एक कटोरी में मिला लें। अब इसे ब्रश की मदद से चेहरे और गर्दन पर अप्लाई करें। अब इसे ऐसे ही कुछ देर तक लगा रहने दें, ताकि इसका असर आपके चेहरे पर अच्छी तरह से हो जाए। 20 मिनट के बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। ये पैक टैनिंग हटाता है और त्वचा को नैचुरल ग्लो देता है।

चंदन और गुलाब जल फेस पैक

इस पैक को तैयार करने के लिए आपको सिर्फ 1 चम्मच चंदन पाउडर और 1-2 चम्मच गुलाब जल की जरूरत पड़ेगी। अब इस पैक को तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले चंदन पाउडर में गुलाब जल मिक्स करना है। अब इस पेस्ट को अपने साफ चेहरे पर ब्रश की मदद से अप्लाई करें। पेस्ट को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट रखें, फिर ठंडे

पानी से धो लें। ये फेस पैक त्वचा को ठंडक देता है और रंगत को निखारता है।

एलोवेरा और शहद फेस पैक

इस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले तो 1 चम्मच एलोवेरा जेल और 1 चम्मच शहद की जरूरत पड़ेगी। इस पैक को बनाने के लिए दोनों को अच्छे से मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से धो लें। ये फेस पैक त्वचा को हाइड्रेट करता है और उसे मुलायम बनाता है। इसलिए आप हफ्ते में कम से कम तीन बार इस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

किटी पार्टी में स्टाइल करें इंडो-वेस्टर्न साड़ियां, दिखेगा बस आपका जलवा

अगर आप भी इस बार किटी पार्टी में कुछ स्टाइलिश इंडियन लुक क्रिएट करने का सोच रही हैं, तो इंडो-वेस्टर्न साड़ियों से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। किसी भी पार्टी में अपने लुक को यूनिक लुक देना हर महिला को पसंद होता है, लेकिन आखिर क्या पहना जाए इस बात को लेकर हमेशा कंफ्यूजन बनी रहती है। कुछ लोगों को लगता है कि वेस्टर्न ड्रेसेस में ही लुक स्टाइलिश नजर आता है, परंतु ऐसा सोचना एकदम गलत है। आप इंडियन लुक में भी मॉडर्न दिख सकती हैं। अगर आप भी किटी पार्टीज में जाती रहती हैं, तो फिर आपको अपने लुक के साथ हर बार कुछ नया एक्सपेरीमेंट करना पड़ता होगा। तब जाकर लुक सबसे हटके नजर आता होगा। ऐसे में यदि आप बहुत जल्द किसी किटी पार्टी का हिस्सा होने जा रही हैं, तो इस बार डिफरेंट स्टाइल वाली इन इंडो-वेस्टर्न साड़ी लुक्स को ट्राई कर सकती हैं। यकीनन इन साड़ियों को पहनने के बाद आपका लुक सबसे क्लासी दिखेगा।

साटन कैप स्टाइल इंडो-वेस्टर्न साड़ी

यदि आप किटी पार्टी में अपने ग्लैमरस लुक को फ्लॉन्ट करना चाहती हैं, तो उसके लिए यह साटन साड़ी बेस्ट रहेगी। इस इंडो-वेस्टर्न साड़ी की आपको प्लेट्स बनाने की जरुरत नहीं पड़ेगी। वहीं साड़ी के संग कैप स्टाइल बेहद स्मार्ट लुक दे रहा है। इस साड़ी के संग अप पर्ल ज्वेलरी, ग्लॉसी मेकअप और फंकी बन बनाएं।

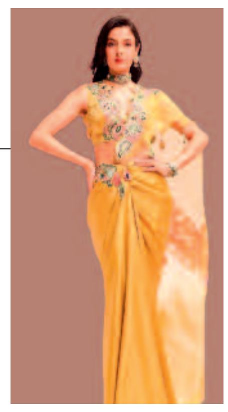

स्टाइलिश पल्लू इंडो-वेस्टर्न साड़ी

किटी पार्टी में सिर्फ आपका ही लुक नजर आए तो उसके लिए आप अपने वार्डरोब में ऐसी स्टाइलिश पल्लू वाली प्लेन इंडो-वेस्टर्न साड़ी को शामिल करना नहीं भूलिएगा। यह साड़ी कैरी करने के बाद काफी मॉडर्न लुक देती है। इसके संग वी नेकस्लीवलेसब्लाउज काफी जंच रहा है। साड़ी के पल्लू और ब्लाउज पर लेस लगी हुई है। इस साड़ी के संग सिल्वर ज्वेलरी, न्यूड मेकअप और ओपन स्ट्रेट हेयर स्टाइल आपका लुक कंप्लीट कर देगी।

आर्टिफिशियल झुमके से नुकसान हो रहा कान का तो अपनाएं घरेलू नुस्खे

किसी भी लुक को खूबसूरत बनाने के लिए उसके साथ ही ज्वेलरी का काफी अहम रोल होता है। इसी के चलते महिलाएं अपने हर आउटफिट के साथ अलग तरह के इयररिंग्स कैरी करती हैं। ये इयररिंग्स देखने में तो अच्छे लगते हैं, पर कई बार इनकी वजह से महिलाओं को काफी दिक्कत होती है। इन दिक्कतों में सबसे अहम परेशानी है कान का पकना, जिस कारण कान के छेद पर घाव बनने लगता है। अगर सही समय पर इसका इलाज न किया जाए तो ये घाव बढ़ता जाता है, जिस कारण परेशानी काफी बढ़ जाती है। यदि आपको भी कान पकने की समस्या तुरंत होती है, तो इस लेख को पढ़ें। यहां हम आपको कुछ ऐसे नुस्खे बताएंगे, जिसको आजमाने के बाद आपके पके हुए कान फटाफट ठीक हो जाएंगे।

आइस क्यूब का इस्तेमाल करें

कान पकने की समस्या सामने आ रही है तो तत्काल प्रभाव से आइस क्यूब का इस्तेमाल करें। इसके इस्तेमाल के लिए एक साफ कपड़े में बर्फ लपेटकर 5-10 मिनट तक हल्के-हल्के कान पर

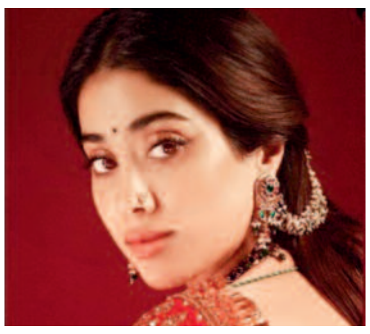

रखें। इससे सूजन और जलन में तुरंत राहत मिलेगी। कभी भी बर्फ को सीधे घाव पर न लगाएं, इससे आपको ही दिक्कत हो सकती है।

नारियल का तेल आएगा आपके काम

हर भारतीय घर में नारियल का तेल होता ही है, जिसका इस्तेमाल आप कान पकने पर कर सकते हैं। इसका इस्तेमाल है भी काफी आसान। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले एक साफ सूती कपड़े पर थोड़ा सा नारियल तेल लगाएं। अब इसे धीरे-धीरे घाव पर अप्लाई करें।

शैंपू के तुरंत बाद बालों में तेल लगाने का असर जानिए यहां

आपने अक्सर बड़े-बुजुर्गों और घर की दादी-नानी को ये कहते सुना होगा कि बाल धोए हैं तो तुरंत ही तेल लगा लो क्योंकि बालों में तेल लगाने से बालों को पोषण मिलता है और इसकी सभी दिक्कतें खत्म होती हैं। लेकिन क्या ये आदत सच में फायदेमंद है? या फिर यह आपकी हेयर हेल्थ को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा रही है? आपको यह जरूर जानना चाहिए कि शैंपू करने के तुरंत बाद बालों में तेल लगाना कितना सही है ? इसके साथ ही आपको बालों में तेल लगाने का सही समय भी जानना चाहिए, ताकि आपके बालों को भी तेल का पूरा लाभ मिले।

शैंपू के बाद तेल इसलिए लगाते हैं लोग

सबसे पहले ये जान लेते हैं कि आखिर शैंपू करने के तुरंत बाद लोग बालों में तेल लगाना क्यों पसंद करते हैं। दरअसल, बालों को शैंपू से धोने की वजह से इनकी नमी पूरी तरह से खत्म हो जाती है, जिस कारण बाल फ्रिजी दिखने लगते हैं। ऐसे में बालों में नमी बनी रहे, इसकी फ्रिजीनेस कम रहे और बाल सिल्की दिखें, इसके लिए लोग बालों में शैंपू लगाने के बाद तेल का इस्तेमाल करते हैं। इसके साथ-साथ बहुत से लोगों को तो लगता है कि

शैंपू करने के तुरंत बाद यदि बालों में तेल लगाया जाए तो इससे बालों को पोषण मिलता है।

ये तरीका है कितना सही ?

अब जान लेते हैं कि शैंपू करने के बाद बालों में तुरंत तेल लगाना कितना सही है। दरअसल, बालों के विशेषज्ञों की मानें तो शैंपू के तुरंत बाद गीले बालों तेल नहीं लगाना चाहिए। इससे बालों को पोषण मिले य न मिले, इस कारण से आपके बालों को काफी दिक्कतें हो सकती हैं। आइए इन दिक्कतों के बारे में जानते हैं।

कार्नर न्यूज

ओवर कंडीशनिंग नुकसान पहुंचाता है आपके बालों को

बालों की सेहत के लिए कंडीशनर लगाना गलत नहीं लेकिन सावधानी जरूरी, जानिए कुछ उपाय

अगर आप सोच रहे हैं कि कुछ एक्स्ट्रा हेयर कंडीशनर लगाने से काम चल जाएगा, तो आप गलत हैं। ओवर-कंडीशनिंग आपके बालों पर बैकफायर कर सकती है और आपके बालों को चिपचिपे, कमजोर और बेजान बना सकती है। लेकिन, चिंता न करें! अपने बालों पर लगाए जाने वाले हेयर कंडीशनर की मात्रा को सीमित करना इसका कारगर तरीका हो सकता है। इसके अलावा, हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स के उपयोग को कम करने से भी बालों को ठीक किया जा सकता है। इसलिए इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि, बालों में ओवर कंडीशनिंग के लक्षण क्या हैं? इन लक्षणों को जानकर आप भी बालों में कंडीशनर के उपयोग को सीमित करके बालों को हेल्दी बनाए रख सकते हैं।

हेयर कंडीशनर का उपयोग मुख्य रूप से मॉइश्चराइजिंग, स्मूथिंग और बालों को उलझने से बचाने के लिए किया जाता है। यह पोषण प्रदान करता है, घुंघराले पन को कम करता है, और बालों की बनावट में सुधार करने के लिए बाल के रेशे पर कोटिंग कर लेता है।

हेयर कंडीशनर का नियमित उपयोग बालों को मजबूत बनाता है। कंडीशनर की परत से बालों को शाइन और टेक्स्चर दोनों मिलता है। यही दोनों बातें हेल्दी बालों की पहली निशानी भी समझी जाती हैं। इसके अलावा, कंडीशनर आपके बालों को नर्म और मैनेज करने में आसान बनाता है। हेयर कंडीशनर बालों में नमी की मात्रा को बढ़ा सकते हैं। ये अपने बालों को रेशमी और मुलायम बनाने का सबसे आसान तरीका है।

कंडीशनर कैसे काम करते हैं?

कंडीशनर का उपयोग मुख्य रूप से बालों की सुरक्षा और इन्हें कुछ नमी प्रदान करने के लिए किया जाता है। ये बालों की शाफ्ट पर एक सुरक्षात्मक परत बनाता है और आपके बालों को पोषण प्रदान करके हाइड्रेट करने में मदद करता है। आमतौर पर, कंडीशनर पोषक तत्वों को बालों में लॉक करता है। ये प्रदूषकों को भी बालों से बाहर निकाल देते हैं। यह बाल के रेशों को मजबूत करने में मदद करता है, इस प्रकार ये बालों में दोमुंहेपन और बालों को टूटने से रोकता है। हर बार जब आप अपने बालों को शैम्पू करने के बाद कंडीशनर लगाते हैं, तो बालों पर एक सुरक्षात्मक परत बन जाती है। जैसे-जैसे यह परत बनती जाती है, आपके बालों में अवशोषित करने और अन्य उत्पादों पर प्रतिक्रिया करने की क्षमता कम होती जाती है। बदले में, ये बालों के रेशों को क्षति से बचाने में मदद करता है।

ओवर-कंडीशनिंग क्या है?

जब आप अपने बालों को ओवर-कंडीशन करते हैं, तो बालों का हर रेशे या क्युटिकल में भारी कोटिंग होती है। ये आपके

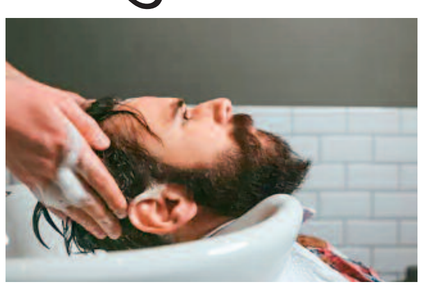

बालों को आवश्यक मात्रा से अधिक नमी प्रदान करता है। इसकी वजह से, अन्य हेयर केयर प्रोडक्ट जैसे कि, हेयर ऑयल और सीरम बालों के रेशे में प्रवेश नहीं कर पाते हैं। इससे इन्हें लगाने का कोई फायदा नहीं होता है क्योंकि ये ठीक ढंग से काम ही नहीं कर पाते है। इसके अलावा, बाल इतने ज्यादा नर्म होने लगते हैं कि, अपना वॉल्यूम खोना शुरू कर देते हैं। याद रखें कि जब भी आप हेयर कंडीशनर का उपयोग करते हैं, तो आप हर बार प्रोडक्ट की एक एक्स्ट्रा परत से बालों के रेशों की कोटिंग करते हैं। बहुत अधिक कंडीशनर का उपयोग करना और इसे अपने बालों पर बहुत लंबे समय तक लगाए रखना, ऐसे कंडीशनर का उपयोग करना जो आपके बालों के टाइप के लिए सही नहीं है।